जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 293 प्रभात बीकानेर, सोमवार 18 मई, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'जो पार्टी छोड़कर जाना चाहते हैं, जा सकते हैं'

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने यह भी कहा, अब उनका पूरा फोकस पार्टी के नव निर्माण पर है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मई। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जा सकते हैं, क्योंकि अब उनका ध्यान पार्टी को पुनः बनाने पर है।

हालिया चुनाव में टीएमसी के हारने के बाद, पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपने उन उम्मीदवारों से अपील की, जिन्होंने हालिया विधानसभा चुनाव लड़ा था, कि वे संगठन को पुनर्निर्मित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, उन्हें जाने की पूरी स्वतंत्रता है।

शुक्रवार को कालीघाट स्थित अपने निवास पर तृणमूल कांग्रेस के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ बैठक में, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी उपस्थित थे, ममता ने कहा कि हालिया विधानसभा चुनाव में भारी हार का सामना करने के बावजूद, संगठन फिर उठ खड़ा होगा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कहा, "जो लोग अन्य पार्टियों में जा रहे हैं, उन्हें जाने दो। मैं पार्टी को नई ताकत के साथ पुनर्निर्मित करूंगी। जो रूक रहे हैं, उनसे कहती हूं कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों को पुनः बनाएं, पेंट करें और फिर से खोलें। जरूरत पड़े तो मैं भी उन्हें पेंट करूंगी। तृणमूल कांग्रेस कभी झुकेगी नहीं। जनता का जनादेश लूटा गया है।

ये टिप्पणियाँ उस समय आईं, जब टीएमसी को चुनाव नतीजों में नाटकीय उलटफेर के बाद राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी से विपक्ष की बेंच पर स्थानांतरित होना पड़ा।

राज्य की 294 विधानसभा सीटों में पार्टी केवल 80 सीटें जीत पाई।

ममता बनर्जी स्वयं भवानीपुर से हार गईं, जिसे लंबे समय से उनका राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा है।

टीएमसी ने 291 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जबकि दार्जिलिंग हिल्स की तीन सीटें अपने सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) को दी थीं, जिसके नेता अमित थापा हैं। इनमें केवल 80 उम्मीदवार विजयी हुए, जबकि 211 हारे, जिनमें कई दिग्गज नेता और मंत्री भी शामिल हैं।

- ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव लड़ चुके सभी पार्टी प्रत्याशियों से संगठन को मजबूत बनाने का आग्रह किया
- अपने कालीघाट आवास पर पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं की मीटिंग में ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं से कहा, जिन पार्टी कार्यालयों को तोड़ा गया, उनकी मरम्मत करें, मैं खुद भी उनमें पेंट करूंगी। तृणमूल झुकेगी नहीं।

गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी ने श्रीनगर में हेयर ट्रांसप्लांट कराया था

नई दिल्ली, 17 मई। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और स्लीपर सेल नेटवर्क बनाने के इरादे से घुसे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक पाकिस्तानी आतंकी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आतंकी ने अपने मिशन के बीच न केवल गतिविधियां जारी रखीं, बल्कि उसने श्रीनगर में हेयर ट्रांसप्लांट भी कराया। मोहम्मद उस्मान जट, जिसे आतंकी नेटवर्क में 'चीनी' के नाम से जाना जाता है, को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। वह पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षित सदस्य बताया जा रहा है।

जांच में सामने आया है कि कश्मीर में घुसपैठ के बाद उसे वहां की जिंदगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मोहम्मद उस्मान जट का काम जम्मू-कश्मीर में आतंकी स्लीपर सेल तैयार करना था।

रविवार को यूएई के एकमात्र परमाणु प्लांट पर ड्रोन हमला

हमले में किसी के हताहत होने तथा किसी भी प्रकार के रेडियोधर्मी रिसाव से साफ इनकार

दुबई, 17 मई। संयुक्त अरब अमीरात के बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र को रविवार को एक ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। इस हमले के कारण संयंत्र की बाहरी सीमा पर स्थित एक इलेक्ट्रिकल जनरेटर में आग लग गई। इस घटना ने ईरान युद्ध में चल रहे अस्थिर संघर्ष विराम को एक बार फिर खतरे में डाल दिया है।

अबू धाबी के अधिकारियों ने बताया कि इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इसके साथ ही, किसी भी प्रकार के रेडियोधर्मी रिसाव की बात से भी साफ इनकार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इस हमले का सीधा शक ईरान पर गहरा गया है। ईरान पिछले कुछ दिनों से यूएई को लगातार धमकियां दे रहा था। यूएई ने हाल ही में युद्ध के दौरान इज़रायली आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणालियों और सैनिकों की मेजबानी की थी, जिससे ईरान बेहद नाराज है।

दक्षिण कोरिया की मदद से निर्मित 20 अरब डॉलर का बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र साल 2020 में चालू हुआ था। यह अरब प्रायद्वीप का पहला और एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। यह संयंत्र यूएई की कुल बिजली जरूरतों का एक-चौथाई हिस्सा पूरा करने की क्षमता रखता है। इसके साथ ही, यह अरब दुनिया का पहला वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी है।

यूएई के परमाणु नियामक ने कहा कि इस आग से संयंत्र की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा है। नियामक संस्था ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी इकाइयां हमेशा की तरह सामान्य रूप से काम कर रही हैं। यूएई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 20 अरब डॉलर की लागत से वर्ष 2020 में बना बारकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूएई की एक-चौथाई बिजली जरूरतों को पूरा करता है।
- हमले की जिम्मेदारी किसी राष्ट्र/संगठन ने नहीं ली है, लेकिन सीधा शक ईरान पर जा रहा है।

राजस्थान में गर्मी बढ़ी, बाड़मेर 45.4 डिग्री पहुँचा

मौसम विभाग को आने वाले दिनों में राज्य का तापमान 44 से 46 डिग्री पहुँचने की आशंका

जयपुर, 17 मई। राजस्थान में एक बार फिर गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के सात शहरों का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि आठ शहरों में रात का तापमान 30 डिग्री से अधिक रहा। मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने और कई क्षेत्रों में हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, बाड़मेर 45.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि संगरिया में न्यूनतम तापमान 33.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सबसे गर्म रात रही। इसके अलावा, बीकानेर में 45 डिग्री, जैसलमेर में 44.9 डिग्री तथा वनस्थली, चित्तौड़गढ़ , फलौदी और श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। रात के तापमान की बात करें तो संगरिया के अलावा, जालौर, फलौदी, बाड़मेर, कोटा, जैसलमेर, जोधपुर और चित्तौड़गढ़ में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है। आगामी दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री और बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री तक पहुंच सकता है और कहीं-कहीं हीटवेव चल सकती है। उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान में भी अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री के बीच रहने और कुछ क्षेत्रों में लू चलने की संभावना है। राज्य के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में 18 से 22 मई के दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने का अनुमान है।

- राज्य में सात शहरों का तापमान 44 डिग्री से अधिक रहा। ये शहर हैं, बाड़मेर, संगरिया, बीकानेर, जैसलमेर, वनस्थली, चित्तौड़गढ़, फलौदी व श्रीगंगानगर। जयपुर में अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री रहा।

प्रधानमंत्री मोदी स्वीडन पहुँचे

नई दिल्ली, 17 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की छह दिवसीय विदेश यात्रा के तीसरे दिन रविवार को नीदरलैंड से स्वीडन पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी का विमान जैसे ही स्वीडन की सीमा में पहुंचा था, स्वीडिश फाइटर जेट्स ने उसे सुरक्षा देते हुए एस्कॉर्ट किया। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन पीएम मोदी को रिसीव करने गोथेनबर्ग एयरपोर्ट पर पहुंचे थे।

वहीं पीएम मोदी को स्वीडन में 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रैंड क्रॉस' सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह किसी भी देश के प्रधानमंत्री या सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान है।

गोथेनबर्ग शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन समेत कई सीनियर नेता मौजूद रहे। यह मोदी को मिलने वाला 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

स्वीडन में प्रधानमंत्री ने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वे स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन से मुलाकात करेंगे।

सतीशन के शपथ ग्रहण समारोह में आज एक लाख लोग शामिल होंगे

तिरुवनंतपुरम के सैन्ट्रल स्टेडियम में होने वाले समारोह में पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले सकता है

नई दिल्ली, 17 मई। सतीशन दामोदर मेनन वडस्सेरी (वीडी सतीशन) सोमवार को केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इसके साथ ही राज्य की सत्ता में कांग्रेस की वापसी होने जा रही है। इससे पहले वर्ष 2011-2016 तक कांग्रेस के ओमन चांडी राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। शपथ ग्रहण समारोह सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

राजधानी तिरुवनंतपुरम में समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वीडी सतीशन के साथ पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले लेगा। सतीशन ने प्रस्तावित 21 सदस्यीय मंत्रिमंडल तैयार कर लिया है। इसमें पांच मंत्री आईयूएमएल से होंगे। तीन महिलाएं भी शामिल की गई हैं। सतीशन ने रविवार को राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर मंत्रियों की सूची सौंपी।

इन मंत्रियों में रमेश चेन्निथला, केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) प्रमुख सनी जोसेफ और के मुरलीधरन शामिल हैं। सतीशन ने कहा कि तिरुवंचूर राधाकृष्णन विधानसभा अध्यक्ष होंगे और शनिमोल उस्मान उपाध्यक्ष होंगी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) केरल कांग्रेस के पीजे जोसेफ होंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस इसे एक बड़े राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देख रही है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा कर्नाटक और तेलंगाना के मुख्यमंत्री भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पिछले लगभग दस दिनों से दिल्ली और केरल में लगातार राजनीतिक मंथन चल रहा था। अंततः कांग्रेस आलाकमान ने वीडी सतीशन के नाम पर सहमति बनाई। निर्णायक दौर तब शुरू हुआ, जब केसी वेणुगोपाल को दिल्ली स्थित राहुल गांधी के आवास पर बुलाया गया। सूत्रों के अनुसार, करीब तीन घंटे चली बैठक में राहुल गांधी ने उन्हें नेतृत्व के अंतिम फैसले की जानकारी दी और सतीशन के नाम पर मुहर लगी।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, वीडी सतीशन की साफ-सुथरी छवि, प्रभावशाली वक्तृत्व शैली और मजबूत संगठनात्मक क्षमता ने उन्हें राज्य की राजनीति में अलग पहचान दिलाई है। विपक्ष के नेता के रूप में भी उन्होंने कई मुद्दों पर सरकार को घेरा और जनता के बीच सक्रिय उपस्थिति बनाए रखी। यही कारण है कि उन्हें एक जमीनी और प्रभावशाली नेता के रूप में देखा जाता है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि नई सरकार के शुरुआती सौ दिन बेहद अहम होंगे। इसी दौरान सरकार की प्रशासनिक क्षमता, निर्णय लेने की शैली और जनता से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा स्पष्ट होगी।

- केरलम में कांग्रेस की सरकार दस साल बाद बनी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तथा कर्नाटक व तेलंगाना के मुख्यमंत्री भी समारोह में उपस्थित रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में 38 जज होंगे

नई दिल्ली, 17 मई। देश की सर्वोच्च अदालत में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए एक नया अध्यादेश जारी किया है। इस अध्यादेश के लागू होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या में चार पदों की बढ़ोतरी हो गई है।

इस नए फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँसवाड़ा में भाजपा नेता ने आत्महत्या की

बांसवाड़ा, 17 मई (निसं)। बीती रात भाजपा के जिला मंत्री अर्जुन सिंह मईड़ा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

बताया जाता है कि छोटी सरवन क्षेत्र की ग्राम पंचायत छायन बडी के जुनाखेडी निवासी अर्जुन सिंह मईड़ा का अपनी पत्नी के साथ विवाद हुआ था। उनके शरीर पर चोटों के निशान भी पाये गये हैं। 47 वर्षीय अर्जुन के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। एक बेटा इंजीनियर है तो एक बेटी नर्सिंग कर रही है। चोट के संबंध में चिकित्सकों का कहना है कि शरीर पर हल्की चोट के निशान थे, जो संभवतः फंदे से लटककर आत्महत्या करने के दौरान हुई तड़प से होते हैं। इधर दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद ने बताया कि अर्जुन सिंह के बेटे अभिमन्यु ने मृतक के शरीर पर खून के दाग होने से मौते के कारणों की जांच करवाने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

- बताया जा रहा है कि छोटी सरवन के जुनाखेड़ी गाँव के अर्जुन सिंह ने पारिवारिक विवाद के बाद फांसी लगाई है।

सीएनजी की कीमत एक रूपया और बढ़ी

नई दिल्ली, 17 मई। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में तीन दिन के भीतर दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। ताजा बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में सीएनजी एक रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 80.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

इससे पहले 15 मई को गैस कंपनियों ने सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की थी। लगातार दूसरी बढ़ोतरी के साथ तीन दिनों में सीएनजी कुल तीन रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो चुकी है।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़ कर 88.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, मुंबई में सीएनजी लगभग 84 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी तीन रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई थी।

- एनसीआर क्षेत्र में तीन दिन में दूसरी बार सीएनजी की दर बढ़ी है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव करवाने के लिए वाइस चांसलर और डीन को दी गई जिम्मेदारियों पर रोक

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ द्वारा दिए गए निर्देशों पर अंतरिम रोक लगाई

जयपुर, 17 मई (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव को लेकर एकलपीठ द्वारा दिए गए कई निर्देशों पर अंतरिम रोक लगाई है। न्यायाधीश सुदेश बंसल और न्यायाधीश मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पैरवी के लिए पेश हुए थे।

उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश समीर जैन की एकलपीठ ने 12 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में कहा था कि, विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव करवाना, विद्यार्थियों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास को बढ़ाने तथा सामाजिक दायित्व से रूबरू करवाने में महत्वपूर्ण है। चुनाव की प्रक्रिया यह विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र के साथ, "हाथ से हाथ मिलाकर" चलनी चाहिए, क्योंकि चुनाव की प्रक्रिया तथा लोकतंत्र के प्रति जागरूकता भी शिक्षा का ही हिस्सा है।

एकलपीठ ने अपने आदेश में यह भी टिप्पणी की थी कि चूँकि केवल 5 ही छात्र चुनाव कराने के लिए अदालत के समक्ष आए हैं, इसलिए यह नहीं माना जा सकता कि प्रदेश में लाखों छात्रों के हित को देखते हुए यह जनहित याचिका दायर की गई है। अदालत ने यह भी कहा कि छात्रसंघ चुनाव करवाना संवैधानिक अधिकार नहीं है, परंतु एक विधिक अधिकार है, जिसे लागू करवाने के लिए छात्र यूनिवर्सिटी के उच्चस्तरीय अधिकारियों को शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने एकलपीठ को तर्क दिया था कि, प्रदेश में 28 राज्यपोषित विश्वविद्यालय, 53 निजी यूनिवर्सिटी तथा 596 सरकारी कॉलेज हैं। अकेले राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर में ही 26500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेशों की पालना करना कि अकादमिक सत्र शुरू होने के 6-8 सप्ताह के बीच छात्रसंघ चुनाव करवाना अनौपचारिक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करने जैसा है।

न्यायाधीश समीर जैन ने सभी तर्कों को रिकॉर्ड पर लिया था, जिसके बाद छात्रसंघ चुनाव करवाने की गुहार के साथ दायर याचिका में राहत तो नहीं दी थी, परंतु यह निर्देश दिए थे कि छात्र सीधे अदालतों का दरवाजा न खटखटाएं, उससे पूर्व कॉलेज व यूनिवर्सिटी में उपयुक्त आधारभूत ढांचा हो तथा जहाँ चुनाव करवाने को लेकर दायर शिकायतों का निस्तारण हो सके, वहाँ जायें। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट वेलफेयर डीन, विश्वविद्यालय की चुनाव कमेटी अथवा शिकायत निस्तारण समिति भी विद्यार्थियों की मांगों पर सुनवाई करे। अदालत ने अपने आदेश में 19 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे तक समय निर्धारित करते हुए आपत्ति सुनने तथा 15 दिन के भीतर उन पर निर्णय करने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह भी कहा था कि डीन अथवा उपकुलपति के स्तर पर होने वाले इस निर्णय से कॉलेजों व संबंधित पक्षकारों को अवगत कराया जाए। एकलपीठ ने कहा था कि, ये निर्देश इस उद्देश्य से दिए जा रहे हैं, ताकि छात्रसंघ चुनाव में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही भविष्य में इसकी पालना सुनिश्चित हो।

इस पूरे प्रकरण में हाईकोर्ट में न्यायाधीश सुदेश बंसल और न्यायाधीश मनीष शर्मा की खंडपीठ ने एकलपीठ द्वारा दिए गए निर्देशों पर अंतरिम रोक लगा दी है। खंडपीठ ने कहा है कि एक तरफ एकलपीठ ने छात्रसंघ चुनाव करवाने की गुहार को अस्वीकार किया है, परंतु दूसरी ओर जनहित याचिका में की गई गुहार और मांगों से बढ़कर अन्य निर्देश दे दिए हैं, जिन पर अंतरिम रोक रहेगी।

- अदालत ने कहा कि एक तरफ तो एकलपीठ ने छात्रसंघ चुनाव करवाने की गुहार को अस्वीकार किया है, परंतु दूसरी ओर याचिका में की गई गुहार और मांगों से बढ़कर अन्य निर्देश दे दिए हैं, जिन पर अंतरिम रोक रहेगी।
- ज्ञात रहे कि एकलपीठ ने अपने आदेश में 19 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे तक समय निर्धारित करते हुए आपत्ति सुनने तथा 15 दिन के भीतर उन पर निर्णय करने के निर्देश दिए थे।

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। -शुक्रनीति

अशालीन अभिव्यक्तियों का दौर

हम कैसे समय में रह रहे हैं? देश को आज़ाद हुए लगभग आठ दशक होने को हैं। इस बीच हमारे यहां साक्षरता और शिक्षा दोनों में काफी इज़ाफ़ा हुआ है। इससे संभावना तो यह बनती है कि हम अपने लोक व्यवहार में पहले से अधिक शिष्ट और शालीन हों, लेकिन बहुत बार ऐसा नज़र आता नहीं है। इसका उलट नज़र आता है। जैसे हम आगे नहीं पीछे को जा रहे हैं।

हाल में एक रील देखी जिसमें एक महिला (मैं जानबूझकर उनके साथ भद्र विशेषण नहीं जोड़ रहा हूं!) विनोद कुमार शुक्ल के उपन्यास दीवार में एक खिड़की रहती थी को हाथ में लेकर उसे विष्टा बता रही हैं। वैसे उन्होंने यह तत्सम शब्द काम में नहीं लिया है। उन्होंने जो शब्द काम में लिया है वह आम बोलचाल का है और उसमें ढाई बार ट वर्ण आता है। मेरी शालीनता उसे यहां लिखने की अनुमति नहीं दे रही। जिन्हें नहीं मालूम उन्हें बताता चलूं कि विनोद कुमार शुक्ल हिंदी के एक अत्यंत वरिष्ठ और सम्मानित रचनाकार थे और उनका यह उपन्यास बहुत चर्चित रहा है। इस उपन्यास की चर्चा इस वजह से भी रही कि प्रकाशक के अनुसार छह माह में इस उपन्यास की 86,000 प्रतियां बिकीं और प्रकाशक ने लेखक को तीस लाख रुपये की रॉयल्टी दी। यह जानकारी मैं केवल उन पाठकों के लिए दे रहा हूं जो विनोद कुमार शुक्ल के नाम और उनके इस उपन्यास से नितांत अपरिचित हैं। मेरा मानना है कि किसी किताब का बहुत ज़्यादा बिकना और उसके लेखक को बड़ी रॉयल्टी मिलना किसी कृति की श्रेष्ठता का एकमात्र परिचायक नहीं हो सकता। साहित्य और कलाओं की दुनिया में ठाहण करने वाले की पसंद नापसंद, उसकी रुचियों, उसके संस्कारों, उसके प्रशिक्षण आदि की बड़ी भूमिका होती है। एक ही कृति सबको पसंद आ जाए, यह कभी सम्भव ही नहीं होता। किसी को कोई कृति बहुत पसंद आती है तो किसी और को वह बिल्कुल भी पसंद नहीं आती। यह बहुत सामान्य और स्वाभाविक बात है। लेकिन अपनी नापसंदगी को आप एक भदेस शब्द से व्यक्त करें, यह तो अच्छी बात नहीं।

उक्त महिला की इस अभिव्यक्ति से मुझे अनायास उर्दू के एक अत्यंत कुख्यात शायर की याद आ गई। बहुत संभव है कि मेरे पाठकों में से अनेक ने उनके बारे में सुना भी न हो। विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उनका वास्तविक नामशेख़ बाक़र अली 'चिरकीन'था। वे उन्नीसवीं सदी के आरम्भिक दौर के लखनऊ स्कूल के शायर माने जाते हैं। उनका समय लगभग 1797-1832 के बीच माना जाता है। उर्दू-फ़ारसी में चिरकीन शब्द गंदगी, मैल या मल से जुड़ा हुआ है। शेख़ बाकर अली ने यह तख़ल्लुस भी जान-बूझकर चुना था। मूलत: वे एक संज़ीदा शायर थे, लेकिन उनका बहुत सारा कलाम ओरों ने चुराकर अपने-अपने नामों से प्रचारित-प्रसारित कर दिया। हद्द तो तब हुई जब उनकी वह डायरी जिसमें उनका सारा कलाम लिखा हुआ था, किसी ने चुरा कर अपने नाम से प्रकाशित करवा ली। इसकी परिणति इस बात में हुई कि शेख़ बाकर अली जब हैदराबाद के एक मुशायरे में अपना कलाम पढने लगे, उसी चुराए हुए किंतु प्रकाशित दीवान के आधार पर उन्हें दूसरों का कलाम पढने का आरोप लगाकर अपमानित किया गया। तब से बाकर अली ने यह प्रण लिया कि अब वे ऐसा कुछ लिखा करेंगे जिसे कोई चुराने का साहस ही न कर सके। और इस तरह दुनिया को मिला एक अनूठा शायर - चिरकीन। उनकी बदनामी -और प्रसिद्धि- दोनों का कारण यह था कि उन्होंने शायरी में उन विषयों को शामिल किया जिन्हें सभ्य अदब में वर्जित माना जाता था।

समाज में भाषिक हिंसा बढ़ती जा रही है। बहुत बार तो मुझे लगता है कि हमारे राजनीतिक दल भी अपने उत्साही समर्थकों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करते हैं, ताकि वे प्रतिपक्षियों को चुप और निष्क्रिय कर सकें। कुछ समय तक तो वे ऐसा करने में कामयाब भी रहे, लेकिन अब दूसरे पक्ष ने भी उन्हीं औज़ारों और हथियारों का प्रयोग करना शुरु कर दिया है। इससे माहौल और दूषित हुआ है।

यह सारी चर्चा इसलिए कि आजकल मैं अपने चारों तरफ उन्हीं चिरकीन साहब के वंशजों को पाता हूं। एक उदाहरण मैंने ऊपर दिया। इसलिए भी दिया कि सामान्यत: हम महिलाओं से अधिक शालीनता की उम्मीद रखते हैं। अगर वे कोई अभद्र बात कहें तो हम अधिक आहत होते हैं। जितनी शालीनता की उम्मीद हम महिलाओं से करते हैं लगभग उतनी ही हम उनसे भी करते हैं जो शिक्षा के काम में जुटे हैं। अगर हमें पता चले कि कोई शिक्षक है, तो हम स्वत: मान लेते हैं कि उसकी भाषा संस्कारित और शालीन होगी। अगर किसी के बारे में यह पता चले कि वह विश्वविद्यालय का प्रोफ़ेसर है तब तो कहना ही क्या! उससे तो हम भाषा के श्रेष्ठतम रूप की अपेक्षा करने लगते हैं। आखिर उसने इतना ज्ञान अर्जित किया, और अपनी अभिव्यक्ति को परिष्कृत किया है, तभी तो वह इस उच्चतम पद पर आसीन है। हम मानकर चलते हैं कि अगर उसे कोई अप्रिय बात भी कहनी होगी तो वह उसे अत्यधिक शालीन तरीके से ही कहेगा। अंग्रेज़ी में तो ऐसी अनेक किताबें भी मेरे देखने में आई हैं जिनमें विद्वान लोगों द्वारा कही गई अप्रिय बातों को संकलित किया गया है। इन किताबों को याद करते हुए मुझे अनायास मिर्ज़ा ग़ालिब याद आ जाते हैं। उनका एक शेर है: ''कितने शीरीं हैं तेरे लब कि रक़ीब/ गालियाँ खा के बे-मज़ा न हुआ''। यहां शायर अपने प्रतिद्वंद्वी से कह रहा है कि तेरे होंठ इतने मीठे हैं कि उनसे निकलने वाली गालियों को सुनते हुए भी मुझे बुरा नहीं लगा। अगर कोई विद्वान भी पत्थर मार शैली में अपनी असहमति या नाराज़गी व्यक्त करे तो फिर वह काहे का विद्वान।

लेकिन हमारा वर्तमान कुछ ऐसा है कि लोग अपनी नापसंदगी या नाराज़गी व्यक्त करने के लिए किसी भी सीमा तक जाने को तैयार बैठे रहते हैं। तब उन्हें न अपनी शिक्षा का ध्यान आता है न अपने पद की गरिमा का। इन दिनों एक प्रतिष्ठित प्रोफ़ेसर महोदय सोशल मीडिया पर जिस तरह की भाषा में स्वयं को प्रस्तुत कर रहे हैं उससे कम से कम मैं तो बहुत आहत महसूस कर रहा हूं। अपने से भिन्न वैचारिक धरातल पर खड़े लोगों के लिए उन्होंने लिखा है: ''हर तरह की उचक्कई और लंपटगीरी करने वाला यह गिरोह भयानक है। आप इसे संवाद लायक समझते हैं, मैं इसे थूकने लायक नहीं समझता।'' मेरा मानना है कि हम सब अपना-अपना वैचारिक पक्ष चुनने के लिए स्वतंत्र होते हैं। यह भी कि हमें अपने से भिन्न पक्ष को नापसंद करने का भी पूरा अधिकार है। लेकिन कोई पढ़ा-लिखा व्यक्ति, जिसकी प्रतिष्ठा एक विद्वान की है, अगर अपने से भिन्न मत वालों के लिए यह कहे कि मैं उन्हें इस काबिल भी नहीं समझता कि उन पर थूकूं, तो लगता है कि यह तो अति है। इसके बाद तो बस यही बचता है कि आप अपनी असहमति आदिम शैली में ईंट पत्थरों से व्यक्त करें। फिर क्या मतलब हुआ पढ़ाई लिखाई का?

भारत में वैचारिक भिन्नता को सदा सम्मान दिया गया है। हमारी परंपरा तो वह रही है जो इस संस्कृत सूक्ति में अभिव्यक्त हो रही है: ''मुण्डेमुण्डेमतिर्भिन्ना, कुण्डेकुण्डेनवंपय:।/ जातौजातौनवाचारा:, नवा वाणी मुखेमुखे।।'' इसका सरल अर्थ यह है कि जिस प्रकार हर जगह के पानी का स्वभाव अलग-अलग होता है उसी प्रकार हर व्यक्ति का सोच और अभिव्यक्ति का तरीका भी अलग-अलग होता है। लेकिन इधर हम देखते हैं कि सहिष्णुता का स्थान आक्रामकता लेती जा रही है। अगर आपका विचार या पक्ष वही नहीं है जो मेरा है, तो फिर आप मेरे शत्रु हैं और मुझसे आप किसी शालीनता या भले व्यवहार की उम्मीद न रखें। समाज में भाषिक हिंसा बढ़ती जा रही है। बहुत बार तो मुझे लगता है कि हमारे राजनीतिक दल भी अपने उत्साही समर्थकों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करते हैं, ताकि वे प्रतिपक्षियों को चुप और निष्क्रिय कर सकें। कुछ समय तक तो वे ऐसा करने में कामयाब भी रहे, लेकिन अब दूसरे पक्ष ने भी उन्हीं औज़ारों और हथियारों का प्रयोग करना शुरु कर दिया है। इससे माहौल और दूषित हुआ है।

हमें विचार करना होगा कि अपने से भिन्न मत के प्रति हमारा व्यवहार कैसा हो, और अगर हम असहमत भी हों तो उस असहमति को किस तरह व्यक्त करें।अशालीन अभिव्यक्ति संवाद के सारे दरवाज़े बंद कर देती हैं, इसे भी याद रखा जाना चाहिए।

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

भर्ती परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने से बदली तस्वीर

सरकार ने इस चुनौती को युवाओं के भविष्य और राज्य की प्रशासनिक साख से जोड़कर देखा, इसी सोच के साथ परीक्षा माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई

अरुण चतुर्वेदी

- **राजस्थान में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक और नकल माफियाओं के विरुद्ध कठोर एवं संगठित कार्रवाई की गई है, इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि अब तक बिना किसी व्यवधान के राज्य की 351 परीक्षाओं का सफल आयोजन किया जा चुका है**

भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल गिरोह और संगठित परीक्षा माफियाओं की गतिविधियों को लेकर राजस्थान लंबे समय तक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना रहा। लाखों युवाओं की मेहनत पर पानी फेरने वाली इन घटनाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिये थे। अनेक प्रतिभाशाली युवा वर्षों तक तैयारी करने के बावजूद स्वयं को ठगा हुआ महसूस करते रहे। ऐसे माहौल में वर्तमान राज्य सरकार द्वारा परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए अपनाई गई सख्त नीति से अब व्यवस्था की तस्वीर बदली है।

राजस्थान में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक और नकल माफियाओं के विरुद्ध कठोर एवं संगठित कार्रवाई की गई है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि अब तक बिना किसी व्यवधान के राज्य की 351 परीक्षाओं का सफल आयोजन किया जा चुका है। यह अपने भविष्य को प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से सुरक्षित करना चाहने वाले लाखों युवाओं के विश्वास की पुर्नस्थापना है।

पेपर लीक केवल एक अपराध नहीं, बल्कि यह प्रतिभा, परिश्रम और सामाजिक न्याय के विरुद्ध किया जाने वाला संगठित हमला है। जब कोई परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होता है तो उसका सीधा नुकसान वर्षों से कठिन परिश्रम करने वाले गरीब और मेहनती विद्यार्थी को होता है। धनबल और आपराधिक नेटवर्क के सहारे कुछ लोग व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। पिछले वर्षों में यह स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति युवाओं का भरोसा लगातार कमजोर पड़ रहा था।

वर्तमान सरकार ने इस चुनौती को युवाओं के भविष्य और राज्य की प्रशासनिक साख से जोड़कर देखा। इसी सोच के साथ परीक्षा माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। विशेष अभियान चलाकर संगठित गिरोहों की पहचान की गई। कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा तकनीकी निगरानी और खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने इस पूरे अभियान में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य सरकार द्वारा एसओजी को पूरी स्वतंत्रता और संसाधन उपलब्ध कराए जाने के कारण परीक्षा माफियाओं के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकी। अनेक मामलों में एसओजी ने राजस्थान ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों तक फैले हुए नेटवर्क का भी खुलासा किया।

पिछले दिनों राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा नीट में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ एसओजी की कार्रवाई उल्लेखनीय रही। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित इस परीक्षा में अनियमितता फैलाने वाले तत्वों को पकड़ने के लिए एसओजी ने दिन-रात अभियान चलाया। तकनीकी विश्लेषण, साइबर ट्रैकिंग और गहन पूछताछ के माध्यम से संदिग्धों तक पहुंच बनाई गई तथा उन्हें गिरफ्तार कर आगे की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा गया।

इससे यह स्पष्ट संदेश गया कि राजस्थान अब परीक्षा माफियाओं के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं रहा।

वर्तमान राज्य सरकार के ढ़ाई वर्ष के कार्यकाल में 351 परीक्षाओं का शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन होना प्रशासनिक दक्षता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इन परीक्षाओं में लाखों अभ्यर्थियों ने भाग लिया और अधिकांश परीक्षाएं बिना किसी विवाद या बड़े व्यवधान के संपन्न हुईं। यह स्थिति उन वर्षों से बिल्कुल अलग दिखाई देती है जब हर भर्ती परीक्षा के बाद किसी न किसी प्रकार के पेपर लीक या नकल की आशंका सामने आने लगती थी। सरकार ने अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित रहने के बजाय पूरी परीक्षा प्रणाली में सुधार के प्रयास किए। प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, परिवहन व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरे, फ्लाइंग स्क्वॉड और साइबर मॉनिटरिंग जैसे अनेक उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। इससे परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ी है।

पेपर लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई के साथ मजबूत कानूनी ढांचा भी आवश्यक होता है। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में कठोर कानूनों और सख्त दंडात्मक प्रावधानों पर भी विशेष ध्यान दिया। संगठित अपराध के रूप में परीक्षा माफियाओं की गतिविधियों को देखते हुए पुलिस और जांच एजेंसियों को अधिक अधिकार दिए गए। इसके परिणामस्वरूप अब आरोपियों को संगठित आर्थिक और सामाजिक अपराध के रूप में चिन्हित किया जा रहा है। इससे अपराधियों में भय का वातावरण बना है तथा भर्ती परीक्षाओं में अवैध गतिविधियों में शामिल नेटवर्क कमजोर पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

आज के डिजिटल युग में परीक्षा माफिया भी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। ब्लूटूथ डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, फर्जी दस्तावेज और साइबर नेटवर्क के माध्यम से संगठित धोखाधड़ी की कोशिशें की जाती रही हैं। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने तकनीक आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत किया है। साइबर सेल, डिजिटल सर्विलांस और डेटा विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कई मामलों में परीक्षा से पहले ही संदिग्ध नेटवर्क का खुलासा कर कार्रवाई की गई। यही कारण है कि बड़ी परीक्षाओं में भी प्रशासन का मजबूत नियंत्रण दिखाई दिया। प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता प्रशासनिक विषय के साथ ही सामाजिक मनोविज्ञान से भी जुड़ा मुद्दा है। जब युवाओं को यह विश्वास मिलता है कि उनकी मेहनत का निष्पक्ष मूल्यांकन होगा, तब उनमें सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास बढ़ता है। राजस्थान में हाल के वर्षों में यही परिवर्तन दिखाई देने लगा है।

अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों और उनके परिवारों में यह भरोसा मजबूत हो रहा है कि सरकार परीक्षा माफियाओं के खिलाफ गंभीर है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यह विश्वास युवाओं को निराशा से बाहर निकालने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालांकि वर्तमान उपलब्धियां उत्साहजनक हैं, लेकिन यह भी सच है कि परीक्षा माफिया एक ऐसा संगठित अपराध है जो अवसर मिलते ही नए रूप में सामने आने का प्रयास करता है। इसलिए जांच एजेंसियां निरंतर सतर्क है। परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखकर तथा तकनीकी सुरक्षा को लगातार अपडेट करने के प्रयास जारी है। इस लड़ाई में समाज को भी भागीदार बनना होगा। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि शॉर्टकट और अवैध साधनों से प्राप्त सफलता अंतत: नुकसान पहुंचाती है। ईमानदार प्रतिस्पर्धा ही किसी भी राज्य की प्रशासनिक गुणवत्ता और सामाजिक प्रगति का आधार बन सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में पेपर लीक और परीक्षा माफियाओं के विरुद्ध अपनाई गई सख्त नीति ने एक सकारात्मक बदलाव का वातावरण तैयार किया है। करीब 351 परीक्षाओं का सफल आयोजन, एसओजी की सक्रिय कार्रवाई, नीट परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों की गिरफ्तारी इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।यह बदलाव परिश्रम के बल पर जीवन में आगे बढ़ने वाले लाखों युवाओं के सपनों की सुरक्षा का प्रयास है। राज्य सरकार इसी दृढ़ता, पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष और भरोसे का प्रतीक बनाने के सार्थक प्रयास कर रही है।

अरुण चतुर्वेदी,
अध्यक्ष, राज्य वित्त आयोग।

सभ्यताओं की जीवित स्मृति : लूव्र से अल्बर्ट हॉल तक, संग्रहालयों में धड़कता है इतिहास

अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, 18 मई पर विशेष.....

अभिलाषा गर्ग

पेरिस का लूव्र म्यूजियम, लॉस एंजिलिस का गेटी म्यूजियम, लंदन का ब्रिटिश म्यूजियम - दुनिया के ये प्रसिद्ध संग्रहालय केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की जीवित स्मृतियाँ माने जाते हैं। हर वर्ष लाखों लोग इन संग्रहालयों में इतिहास को देखने नहीं, बल्कि उसे महसूस करने पहुँचते हैं। लेकिन यदि भारत के संदर्भ में बात की जाए, तो राजस्थान के संग्रहालय भी अपनी भव्यता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक समृद्धि में किसी अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय से कम नहीं हैं। जयपुर का अल्बर्ट हॉल म्यूजियम इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जो आज भी दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी विरासत, वास्तुकला और दुर्लभ संग्रह से आकर्षित करता है।

हर वर्ष 18 मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस हमें यही याद दिलाता है कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं का संग्रह नहीं बल्कि समाज की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक चेतना के केंद्र हैं। इसकी शुरुआत वर्ष 1977 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूज़ियम द्वारा की गई थी। समय के साथ संग्रहालयों की भूमिका भी बदली है। अब वे केवल इतिहास को सुरक्षित नहीं रखते बल्कि शिक्षा, शोध, सांस्कृतिक संवाद और पर्यटन को भी नई दिशा देते हैं।

राजस्थान : जहाँ इतिहास दीवारों पर नहीं, वातावरण में दिखाई देता है-

भारत में यदि किसी राज्य को ओपन म्यूज़ियम कहा जाए, तो वह राजस्थान है। यहाँ का हर शहर अपने भीतर इतिहास की एक अलग परत समेटे हुए है। किले, महल, हवेलियाँ और संग्रहालय मिलकर ऐसा सांस्कृतिक संसार रचते हैं, जहाँ अतीत आज भी जीवित महसूस होता है।

जयपुर स्थित अल्बर्ट हॉल म्यूजियम राजस्थान का सबसे पुराना संठाहालय है, जिसकी स्थापना वर्ष 1887 में हुई थी। इंडो-सारासेनिक शैली में निर्मित यह भवन रात की रोशनी में किसी यूरोपीय विरासत भवन जैसा दिखाई देता है। जिस प्रकार पेरिस का लूव्र म्यूजियम अपनी कला और ऐतिहासिक संग्रह के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार अल्बर्ट हॉल भी राजस्थानी लघु चित्रकला, धातु कला, प्राचीन हथियारों, पारंपरिक वस्त्रों और दुर्लभ कलाकृतियों के विशाल संग्रह के लिए जाना जाता है। यहाँ सुरक्षित मिस्त्र की ममी आज भी पर्यटकों के आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र है।

लॉस एंजिलिस के गेटी म्यूजियम को उसकी कला संरक्षण तकनीकों और प्रदर्शनी शैली के लिए सराहा जाता है, वहीं अल्बर्ट हॉल राजस्थान की लोक संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों को जिस जीवंत तरीके से प्रस्तुत करता है, वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट बनाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि वैश्विक स्तर पर प्रचार और आधुनिक प्रस्तुति को और विस्तार मिले, तो अल्बर्ट हॉल विश्व के प्रमुख संग्रहालयों की सूची में और अधिक प्रभावशाली पहचान बना सकता है।

केवल अल्बर्ट हॉल ही नहीं, पूरा राजस्थान है एक सांस्कृतिक संग्रहालय-

उदयपुर का सिटी पैलेस म्यूजियम मेवाड़ की शौर्यगाथा, राजसी जीवनशैली और ऐतिहासिक विरासत को बेहद भव्य तरीके से प्रस्तुत करता है। पिछोला झील के किनारे स्थित यह संग्रहालय इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम माना जाता है।

जोधपुर का मेहरानगढ़ फोर्ट म्यूजियम दुनिया के बेहतरीन किला-संग्रहालयों में गिना जाता है। यहाँ संरक्षित पालकियाँ, शाही हौदे, युद्ध सामठी और राजसी पोशाकें मारवाड़ के गौरवशाली इतिहास की झलक प्रस्तुत करती हैं। कई विदेशी इतिहासकार इसे भारत के सबसे व्यवस्थित संग्रहालयों में शामिल करते हैं।

बीकानेर स्थित गंगा राजकीय म्यूजियम पश्चिमी राजस्थान की पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहरों का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहाँ गुप्तकालीन मूर्तियाँ, प्राचीन सिक्के, हड़प्पा सभ्यता से जुड़ी सामग्री और राजस्थानी मिनिएचर पेंटिंग्स सुरक्षित रखी गई हैं।

वहीं उदयपुर का भारतीय लोक कला मण्डल यह साबित करता है कि संग्रहालय केवल राजाओं और युद्धों की कहानियाँ नहीं बताते बल्कि लोक संस्कृति और आम जनजीवन को भी संरक्षित करते हैं। यहाँ की कठपुतली कला, लोकवाद्य और पारंपरिक वेशभूषाएँ राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक आत्मा को दर्शाती हैं।

आधुनिक दौर में संग्रहालयों की बदलती पहचान-

आज दुनिया भर के संग्रहालय डिजिटल तकनीक की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्चुअल टूर, ऑडियो गाइड, इंटरैक्टिव स्क्रीन और डिजिटल आर्काइव ने इतिहास को नई पीढ़ी के लिए अधिक रोचक बना दिया है। राजस्थान के संग्रहालय भी अब आधुनिक तकनीक के साथ खुद को विकसित कर रहे हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि संग्रहालय किसी भी समाज की सांस्कृतिक मेमोरी होते हैं। वे केवल अतीत को संरक्षित नहीं करते, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को उनकी पहचान से जोड़ते हैं।

विरासत का संरक्षण ही भविष्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी-

आज जब दुनिया तेज़ी से आधुनिकता की ओर बढ़ रही है, तब सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण पहले से अधिक आवश्यक हो गया है। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस हमें यह संदेश देता है कि इतिहास केवल किताबों में नहीं, बल्कि उन धरोहरों में जीवित रहता है जिन्हें संग्रहालय सहेजकर रखते हैं। राजस्थान के संग्रहालय इस बात का प्रमाण हैं कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि किसी भी अंतरराष्ट्रीय विरासत से कम नहीं है। और जैसे विश्वप्रसिद्ध संग्रहालयों की तरह राजस्थान के संग्रहालय भी इतिहास, कला और संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। फर्क केवल इतना है कि दुनिया ने उन्हें अभी उतनी गहराई से देखना शुरू किया है।

इतिहास बदले का नहीं, सबक का विषय-इस वर्ष के अन्तर्राष्ट्रीय म्यूजियम दिवस की थीम 'यूनाइटिंग ए डिवाइडिंग वर्ल्ड' घोषित की गई है। इतिहास का अध्ययन कर युवा अपने धर्म, नस्ल, राष्ट्र के प्रति हुए अन्याय का बदला लेने के लिए आतुर न हो, भविष्य में किसी भी पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के दमन की कोशिश न हो, इसके लिए युवाओं में जिम्मेदार विश्व नागरिक बन कर इस संसार की समस्याओं को मानवता की साझा समस्याएं मान कर शांतिपूर्वक ढंग से बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की मानसिकता विकसित करना इस दिवस को मनाना सार्थक करेगा।

वैश्विक सभ्यताओं के इतिहास का जितना हिस्सा लाखों पुस्तकों, पांडुलिपियों में नहीं है, उससे ज्यादा शिलालेखों, सिक्कों, उस जमाने के तकनीकी गैजेट्स आदि में भरा पड़ा है और आज ये म्यूजियम्स की शोभा बढ़ा रहे हैं। मौर्य काल का पूरा और वास्तविक इतिहास शिलालेखों से पता चला है। सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी लेकिन शहरों के उत्खनन से पूरा इतिहास शीशे की तरह साथ देखा और पढ़ा जा सकता है। इतिहास लेखक के अपने पूर्वाग्रह, लालच और दबाव होते हैं लेकिन म्यूजियम में रखी सामठी सच्चाई का प्रतीक होती है।

-अभिलाषा गर्ग,
ड्रामेटिक एंड परफोर्मिंग आर्ट की अध्येयता है, वर्तमान में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सुजस स्टूडियो में एंकर है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 18 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, रोहिणी नक्षत्र दिन 11:32 तक, सुकर्मा योग रात्रि 9:48 तक, बालव करण प्रात: 7:42 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:05 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मेष, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग दिन 11:32 से सूर्योदय तक है। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:22तक, शुभ 9:02 से 10:43 तक, चर 2:04 से 3:44 तक, लाभ-अमृत 3:44 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:05

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

'प्रदेश की लाखों बहिनें, लखपति दीदियां बनकर आर्थिक रूप से हुई सशक्त'

बीकानेर,(कासं)। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आयोजित ग्राम विकास चौपाल का सीधा प्रसारण कोलायत विधानसभा की स्वरूपदेसर ग्राम पंचायत से किया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए स्वरूपदेसर की डाटा एंट्री सखी राधा ने कहा कि राजीविका से जुड़ने के बाद उसके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। राधा ने मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के तहत ऋण राशि एक लाख से बढ़ाकर डेढ़ लाख करने और ब्याज ढाई प्रतिशत से घटाकर डेढ़ प्रतिशत करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

उसने कहा कि वह सावलिया सेठ स्वयं सहायता समूह से जुड़ी है और डाटा एंट्री का काम करते हुए प्रतिमाह दस से बारह हजार रूपए कमा रही है। राधा ने कहा कि राजीविका से जुड़ने से उसके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। अब वह निडर होकर अपनी बात रख सकती है।

उसने महिला सशक्तिकरण की दिशा में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने राधा के कार्यों की सराहना की और कहा कि प्रदेश की लाखों बहिनें, लखपति दीदियां बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि महाराजा गंगासिंह ने वर्ष 1927 में गंगनहर की स्थापना की। अगले वर्ष इसके सौ वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। पहली बार सरकार ने इस तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए पांच हजार करोड़ रूपए दिए हैं। इससे होने वाले कार्यों से बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, फलौदी, बाड़मेर सहित पश्चिम राजस्थान के अन्य जिलों को लाभ होगा और अंतिम छोर तक बैठे किसान को पर्याप्त पानी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीकानेर में मूंगफली की पैदावार बहुतायत में होती है। यहां मूंगफली की प्रोसेसिंग यूनिट लगें। अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ें तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं। इस दौरान कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी, जिला कलेक्टर निशान्त जैन, श्याम पंचारिया सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक भाटी और जिला कलेक्टर ने कविता को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से श्रवण यंत्र दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गर्भवती पूजा को न्यूट्री किट और राम कस्वा को आंगनबाड़ी में प्रवेश पर पाठ्य पुस्तकें प्रदान की।

कोलायत की स्वरूपदेसर ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम विकास चौपाल के सीधा प्रसारण में डाटा एंट्री सखी राधा ने मुख्यमंत्री से सीधा ंवाद किया। इस दौरान विधायक अंशुमान सिंह भाटी भी मौजूद थे।

- लखपति दीदी ऋण योजना के तहत ऋण राशि एक लाख से बढ़ाकर डेढ़ लाख करने और ब्याज ढाई प्रतिशत से घटाकर डेढ़ प्रतिशत करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर की डाटा एंट्री सखी राधा से किया संवाद

देवेन्द्र डागा तेयुप गंगाशहर के अध्यक्ष बने

बीकानेर, (कासं)। तेरापंथ युवक परिषद गंगाशहर के वर्ष 2026-27 के अध्यक्ष पद के लिए आयोजित चुनाव मनोनयन प्रक्रिया में सर्वसम्मति की सुंदर परंपरा कायम रखते हुए देवेन्द्र डागा को नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोनीत किया।

चुनाव मनोनयन के मुख्य चुनाव अधिकारी अमरचंद सोनी ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन प्राप्त हुआ, जो परिषद की एकजुटता एवं संगठनात्मक सौहार्द का परिचायक है। उन्होंने निवर्तमान अध्यक्ष ललित राखेचा एवं मंत्री मांगीलाल बोथरा को उत्कृष्ट व्यवस्था पर साधुवाद प्रदान किया।

निवर्तमान अध्यक्ष ललित राखेचा ने नव मनोनीत अध्यक्ष देवेन्द्र डागा का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर अभातेयुप साथी पीयूष लूनिया ने पताका पहनाकर शुभकामनाएं दी। नवमनोनीत अध्यक्ष देवेन्द्र डागा ने ललित राखेचा के सफल एवं ऊर्जावान कार्यकाल की सराहना करते हुए आगामी वर्ष में सभी के सहयोग से संगठन को नई ऊंचाईयों तक ले जाने का विश्वास व्यक्त किया तथा सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। नवमनोनीत अध्यक्ष एवं तेयुप गंगाशहर की टीम ने बोथरा भवन में विराजित मुनि श्री अमृत कुमार एवं अन्य मुनिवृंद के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सार-समाचार

पालसिया एवं चुग्गा व्यवस्था की

लक्ष्मीनाथ मंदिर परिसर में जीव दया संकल्प दिवस पर जीव रक्षा की शपथ ली।

बीकानेर, (कासं)। नगर सेठ श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर परिसर में महावीर इंटरनेशनल और वंदे मातरम मंच के संयुक्त तत्वावधान में पक्षियों के लिए पालसिया (पानी के कूंडे) और चुग्गा वितरण के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वंदेमातरम् टीम के भीष्म पितामह विजय कोचर ने बताया कि पुरूषोत्तम मास में धर्म कार्य करने चाहिए। इसलिए मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए पानी पात्र लगाए और चुग्गा दाना डाला गया। महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष नरेन्द्र सुराणा ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए पालसिये लगाने के साथ ही मंदिर में आये श्रद्धालुओं को घर की मुंडेर पर लगाने के लिए तीन सौ पालसियों का वितरण किया गया। वंदेमातरम् मातृशक्ति टीम की महिला अध्यक्ष कामिनी विमल भोजक मैया ने कहा कि टीम द्वारा जीव दया संकल्प दिवस पर जीव रक्षा की शपथ सभी उपस्थित लोगों ने ली और पक्षियों को चुग्गा दाना दिया गया। भोजक ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में सौ किलो चुग्गा बीकानेर शहर में पक्षियों को दिया जायेगा। वंदेमातरम् टीम के मुकेश जोशी ने कहा कि ये पशु पक्षी अपनी पीड़ा बता नहीं सकते हैं ईश्वर ने हमें इस लायक बनाया है कि इन बेजुबानों का सहारा बन सके तो हमें तो यह कार्य करना ही है। लेकिन इस यज्ञ में सभी लोग प्रेरित होकर अपनी आहुति दे तो कोई भी बेजुबान भूखा और प्यासा नहीं रहेगा। इस अवसर पर विजय कोचर, मुकेश जोशी, कामिनी विमल भोजक मैया, विजयलक्ष्मी मूंधड़ा, राजश्री कच्छावा, राधा खत्री, नरसिंग भाटी, प्रवक्ता दिलीप गुप्ता, महेन्द्र जोशी, राजेन्द्र रामपुरिया, निर्मल बरडिया आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

नवरतन बोथरा ने संभाली कमान

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर के शपथ ग्रहण समारोह को जैन लूणकरण छाजेड ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर का शपथ ग्रहण समारोह मुनि श्री अमृत कुमार के सानिध्य में बोथरा भवन गंगाशहर में आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में तेरापंथी सभा गंगाशहर के मंत्री जतन लाल संचेती ने पिछले कार्यकाल में सभा द्वारा किए गए कार्यों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सत्र 2026-28 के लिए नव मनोनीत अध्यक्ष नवरतन बोथरा ने बोथरा भवन में मुनिश्री अमृत कुमार के सानिध्य में अपनी टीम के साथ शपथ ली। शपथ से पूर्व अपने उद्बोधन में नवरतन बोथरा ने कहा कि मैं और मेरी पूरी टीम संघ के द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रम पूरी निष्ठा से करेंगे। दायित्व ग्रहण करने के बाद सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। शान्ति निकेतन का नव निर्माण करवाना इसके लिए पूरे समाज से यही आग्रह है कि जो भी इस कार्य में जुड़ना चाहे और सहयोग देना चाहे वह जुड़ सकता है। चाहे तन से, चाहे मन से, चाहे धन से सभी तरह से जुड़ सकता है। सभी से यही आग्रह है कि सभा के सभी कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेवें। नवरतन बोथरा ने नई टीम की घोषणा की। पूर्व अध्यक्ष अमरचन्द सोनी ने पूरी टीम को शपथ दिलाई। तेरापंथ महासभा के संरक्षक जैन लूणकरण छाजेड़ ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। जिसका उच्चारण सभी श्रावक समाज ने किया। भिक्षु भजन मण्डली के सदस्यों ने सभा गीत का संगान किया।

फ्लैगशिप योजनाओं का रिव्यू

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर निशांत जैन ने कलेक्ट्रेट सभागार में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं और बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर रिव्यू किया। कुल 13 फ्लैगशिप योजनाओं का रिव्यू करते हुए जिला कलेक्टर ने कम रैंक वाली योजनाओं में जिले की प्रगति में आगामी एक महीने में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जिन 07 योजनाओं में जिले की प्रोग्रेस अच्छी है। उन्हें संबंधित विभाग मेंटेन रखे। जिला कलेक्टर ने कहा कि फ्लैगशिप योजनाओं की क्रियान्विति में संबंधित विभाग जुटकर कार्य करें। जिला कलेक्टर ने कहा कि कुसुम योजना के सभी घटकों ए, बी व सी में जिले की रैंकिंग अच्छी चल रही है। साथ ही कहा कि योजना में प्रोग्रेस को बरकरार रखा जाए। जिला कलेक्टर ने लाडो प्रोत्साहन योजना, पंच गौरव, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, स्वामित्व योजना, नवीन परिवारों को एनएफएसए से लाभान्वित करना, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान में जिले की रैंकिंग पीछे होने पर इसमें आगामी जून माह के प्रथम सप्ताह तक रैंकिंग सुधार के निर्देश दिए। डीएसओ ने बताया कि एनएफएसए योजना अंतर्गत नए परिवारों को जोड़ने का कार्य लगातार चल रहा है। जिले की रैंकिंग में लगातार सुधार किया जा रहा है। बैठक में नगर निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पालानिचामी, सीईओ जिला परिषद शैलजा पांडेय, एडीएम प्रशासन सुरेश कुमार यादव, एसीएम रणजीत बिजारणिया, एसीईओ प्रियंका तिलानिया मौजूद थी।

ड्रिप संयंत्र से 70 से 80 प्रतिशत जल की बचत : मुकेश गहलोत

बीकानेर, (कासं)। जिले में उपलब्ध जल की कमी तथा सिंचाई दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान सूक्ष्म सिंचाई मिशन पर ड्राप मोर क्रॉप योजनांतर्गत सूक्ष्म सिंचाई कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में सिंचाई जल के दक्षतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सूक्ष्म सिंचाई कार्यक्रम के आकार में वृद्धि करते हुए इसके सुगम वृहद क्षेत्र में प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उद्यानिकी आयुक्त श्वेता चौहान द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि सब्जियों की खेती में स्थापित की जाने वाली ड्रिप, बागीचा स्थापना में उपयोग में आने वाली ड्रिप, मिनी फव्वारा व फव्वारा स्थापना के लिए दिशा-निर्देश प्राप्त हो गए हैं। स्वीकृत कार्य योजना अनुसार किसानों से ऑनलाइन आवेदन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

ड्रिप, मिनी फव्वारा व फव्वारा सिंचाई तकनीक द्वारा जल बचत के साथ ही जिले की भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक एवं कृषि जलवायु स्थितियां प्रबल रूप से सहायक है। जहां ड्रिप संयंत्र स्थापना से 70 से 80 प्रतिशत जल की बचत होती है। वहीं फव्वारा संयंत्र की स्थापना से 50 से 55 प्रतिशत तक जल की बचत होती है। सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर तथा स्प्रिंकलर संयंत्र स्थापना पर लघु सीमांत कृषक, एससी, एसटी, महिला कृषक को इकाई लागत का 75 प्रतिशत व अन्य सामान्य कृषक को इकाई लागत का 70 प्रतिशत तक अनुदान देय है। सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र स्थापना पर न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर व अधिकतम 5 हेक्टेयर तक प्रति लाभार्थी अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। उपनिदेशक उद्यान प्रेमाराम ने बताया कि आवेदन के इच्छुक किसान जन आधार के माध्यम से ऑनलाइन अपना आवेदन राज किसान साथी पोर्टल पर कर सकते हैं।

राजस्थान सूक्ष्म सिंचाई मिशन पर ड्राप मोर क्रॉप योजनांतर्गत सूक्ष्म सिंचाई कार्यक्रम के तहत हो रही है खेतों में सिंचाई।

उपासना शर्मा को डॉक्टरेट की उपाधि

बीकानेर, (कासं)। उपासना शर्मा ने अपना शोध कार्य टांटिया यूनिवर्सिटी श्रीगंगानगर से 'बालकों के मानवाधिकारों का संरक्षण और कार्यान्वयन : बालकों की इंटरनेट सुरक्षा से संबंधित विशेष संदर्भ' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर पूर्ण किया।

उन्होंने अपना यह शोध विधि विशेषज्ञ और मार्गदर्शक डॉ. मिथिलेश बंसल के निर्देशन में संपन्न किया। उपासना के शोध का मुख्य केन्द्र बिन्दु वर्तमान डिजिटल युग में बच्चों के मानवाधिकारों की रक्षा और इंटरनेट के माध्यम से होने वाले विभिन्न खतरों व साइबर अपराधों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है।

मौजूदा समय में जब बच्चे ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अधिक समय बिता रहे हैं, तब उनका यह शोध कानूनी ढांचे को मजबूत करने के साथ सामाजिक व्यवस्था और बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगा। उपासना शर्मा की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षाविदों, इष्ट मित्रों और परिजनों ने उन्हें बधाई दी।

योग को जन-जन तक पहुंचाने की कवायद

बीकानेर, (कासं)। आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं जनमानस में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में 2 मई से 20 जून तक 50 दिवसीय योग दिवस काउंटडाउन अभियान के तहत विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के विभागीय नोडल अधिकारी डॉ. पवन कुमार पारीक ने बताया इस अभियान के अंतर्गत आयुर्वेद विभाग के द्वारा जिले के विभिन्न पार्कों, सार्वजनिक स्थलों, ग्राम पंचायतों तथा आयुष संस्थानों में नियमित रूप से योग, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। डॉ पारीक ने बताया कि इसी क्रम में शनिवार को व्यास कॉलोनी में स्वामी दयानंद पार्क, मुक्ता प्रसाद कॉलोनी स्थित दादा पोता पार्क,राजकीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, गोगागेट में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सभी जगह कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। व्यास कॉलोनी स्थित स्वामी दयानंद पार्क में योगाभ्यास कार्यक्रम योग एवं प्राकृतिक चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष शेषमा द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न योगासन, प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, ध्यान एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया गया तथा योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी दी गई। रविवार को भी सुबह 7 से 8 बजे तक दयानंद पार्क में ही योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप निदेशक पारीक ने बताया कि योग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम है।

- 2 मई से 20 जून तक योग दिवस काउंटडाउन अभियान के तहत विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं

खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को प्रशिक्षण

बीकानेर, (कासं)। एसकेआरएयू के कृषि विज्ञान केन्द्र में उर्वरक विक्रेताओं को प्रशिक्षण देकर किसानों तक उर्वरकों के संतुलित पोषण प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, बीज एवं कीटनाशी प्रबंधन की जानकारी पहुंचाने हेतु विभिन्न तकनीकी पक्षों से रूबरू करवाया गया।

प्रशिक्षण के समापन समारोह में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कुलगुरू डॉ. राजेन्द्र बाबू दुबे ने कहा कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग वर्तमान की आवश्यकता है। उर्वरकों की बढ़ती खपत को देखते हुए किसान वैज्ञानिक आधार पर ही उर्वरकों का उपयोग करें। इसमें उर्वरक विक्रेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने मृदा के उपजाऊपन को बनाए रखने के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसान मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन अपनाएं तथा भूमि में ऑर्गेनिक कार्बन बढ़ाने के लिए जैविक पदार्थों का अधिक उपयोग करें। विक्रेता अपने यहां आने वाले किसानों को इस दिशा में प्रेरित करें। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम से कृषि आदान विक्रेताओं एवं किसानों को वैज्ञानिक जानकारी से रूबरू होने का अवसर मिला है ।प्रतिभागी यह तकनीकी जानकारी किसानों तक पहुंचाएं।

- मृदा के उपजाऊपन को बनाए रखने के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया

मेंटल हेल्थ में मेडिटेशन पर विशेष सेशन

बीकानेर, (कासं)। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, बढ़ते मानसिक तनाव, मोबाइल और सोशल मीडिया पर अत्यधिक निर्भरता तथा पारिवारिक एवं सामाजिक रिश्तों में बढ़ती दूरियों के कारण मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

ऐसे दौर में मानसिक संतुलन बनाए रखने, सकारात्मक सोच विकसित करने और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए मेडिटेशन एवं संवाद की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। इसी उद्देश्य को लेकर सीनियर सिटीजन मनोरंजन केन्द्र, एसबीआई जेएनवी के सामने बीकानेर में 20 मई को सायं 6:00 बजे एक विशेष मार्गदर्शन एवं जागरूकता सत्र आयोजित किया जायेगा।

शहर को बरसाती पानी के ठहराव की समस्या से मिलेगी मुक्ति

बीकानेर, (कासं)। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बरसाती पानी ठहराव के कारण होने वाली समस्या से आमजन को जल्द ही मुक्ति मिलेगी। इन कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा 59.10 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्राप्त हो गई है तथा कार्यादेश जारी करते हुए विभिन्न स्थानों पर कार्य प्रारम्भ करवा दिए गए हैं।

नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलनीचामी ने बताया कि शहरी क्षेत्र में बरसाती पानी का ठहराव बड़ी समस्या है। इससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट में 100 करोड़ रूपए की लागत से कार्य करवाने की घोषणा की थी। जिसके पहले चरण में 59.10 करोड़ रूपए के कार्यों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा गत दिनों नगर निगम और बीकानेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में इसकी समीक्षा की गई तथा उच्च स्तर पर इससे जुड़ा फीडबैक दिया गया। इसके बाद राज्य सरकार के आपदा नियंत्रण, राहत एवं नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा 59.10 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हो गई है तथा 6 मई को तीन स्थानों पर कार्य प्रारम्भ करवा दिया गया है।

निगम आयुक्त ने बताया कि इस राशि से वल्लभ गार्डन में 20 एमएलडी का सीवेज पंपिंग स्टेशन, सुजानदेसर में 12 एमएलडी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, खुदखुदा आश्रम जाने वाले नाले के स्थान पर नए नाले का निर्माण तथा शहर के प्रमुख नालों की सफाई से जुड़े कार्य करवाए जायेंगे। इनमें से सुजानदेसर में एसटीपी निर्माण तथा निगम कार्यालय एवं पीबीएम अस्पताल नाला सफाई का कार्य 6 मई को प्रारम्भ भी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जायेंगे तथा 18 महीनों में यह पूर्ण कर लिए जायेंगे।

- 59.10 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्राप्त हो गई तथा कार्यादेश जारी
- 6 मई को तीन स्थानों पर कार्य प्रारम्भ करवा दिया

किसान समृद्ध, विकसित होगा तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा : कैलाश चौधरी

36-भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में किसानों, युवाओं और संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

-किसान विकसित होगा तभी देश विकसित होगा : कैलाश चौधरी

बीकानेर,(कासं)। भाजपा किसान मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आज भाजपा संभाग कार्यालय बीकानेर में किसान मोर्चा शहर अध्यक्ष चंद्रमोहन जोशी एवं देहात अध्यक्ष भंवरलाल जांगिड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

भाजपा बीकानेर देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ कैलाश चौधरी का बीकानेर आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। बैठक को संबोधित करते हुए कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि किसान समृद्ध और विकसित होगा तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक बनाने और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने किसान मोर्चा की बैठक को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, प्राकृतिक खेती, सिंचाई योजनाओं एवं कृषि यंत्रीकरण जैसी अनेक योजनाओं से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। युवाओं को अब कृषि को केवल पारंपरिक व्यवसाय नहीं बल्कि आधुनिक तकनीक एवं नवाचार से जुड़ा रोजगार और उद्यम का माध्यम मानना होगा।

आज कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और भाजपा सरकार किसानों को तकनीक, बाजार और संसाधनों से जोड़ने का कार्य कर रही है। कैलाश चौधरी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी किसान हितों को प्राथमिकता नहीं दी। जबकि भाजपा सरकार किसानों के सम्मान और आर्थिक मजबूती के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

ऑनलाइन नकली दवा बिक्री बंद की मांग

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट कैमिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत की अध्यक्षता में रेलवे स्टेशन के सामने स्थित होटल हीरालाल में मीटिंग रखी गई। मीटिंग में 20 मई को बीकानेर के सभी कैमिस्ट अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे तथा बंद को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देंगे।

एसोसिएशन के सचिव किशन जोशी ने फोन पर बताया कि अखिल भारतीय दवा विक्रेता संघ के आव्हान पर ऑनलाइन नकली दवा बिक्री बंद करवाने की मांग को लेकर सम्पूर्ण समर्थन देते हुए संपूर्ण बंद पर अपनी सहमति प्रदान की है। जोशी ने बंद को पूर्ण सफल करने में अपने सहयोग के लिए आश्वस्त भी किया है। मीटिंग में विनय मित्तल, कुणाल कोचर, पुरूषोत्तम पुरोहित, राजकुमार गुप्ता, रमेश सखुजा, मनीष गहलोत, श्याम राजपुरोहित, मनोज राजपुरोहित, शिवम जोशी, दिनेश उपाध्याय मौजूद थे।

बिजली-पानी संकट पर कांग्रेस का प्रदर्शन कल

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में भीषण गर्मी के दौर में आमजन को हो रही परेशानियों को देखते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी श्रीडूंगरगढ़, सूडसर एवं नगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में 19 मई को सुबह 11 बजे से उपखंड मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जायेगा।

पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा ने बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के शामिल होने की अपील की हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पिछले काफी समय से जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है। दिन और रात में बार-बार बिजली गुल होने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। साथ ही घरों के बिजली उपकरण भी जल रहे हैं। जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान हो रहा हैं।

गर्मी के इस मौसम में छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पेयजल संकट ने भी हालात गंभीर बना दिए हैं। कई क्षेत्रों में समय पर पानी की सप्लाई नहीं हो रही। वहीं लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन और संबंधित विभाग आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। बार-बार शिकायतों और मांगों के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसी के विरोध में कांग्रेस ने अब सड़क पर उतरकर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बिजली कटौती पर रोक लगाने, नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का शीघ्र समाधान करने की मांग करेंगे। नेताओं ने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जायेगा।

राजधानी एक्सप्रेस में आग लगी, स्टाफ ने खुद झुलसकर 75 यात्रियों को बचाया

एमपी के रतलाम में कोटा रेल मंडल के विक्रमगढ़ आलोट-लूणी रीछा स्टेशनों के बीच हादसा हुआ

- त्रिवेंद्रम-निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में आग लगने के बाद ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम और स्टॉफ की बहादुरी से यात्रियों को सुरक्षित बचाया

कोटा, (निसं)। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में कोटा रेल मंडल के विक्रमगढ़ आलोट और लूणी रीछा स्टेशनों के बीच रविवार सुबह यहां से गुजर रही ट्रेन नंबर 12431 त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में अचानक भीषण आग लग गई। यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 5.15 बजे बीच हुई। ट्रेन का थर्ड एसी और एसएलआर कोच जलकर पूरी तरह खाक हो गए। आसमान में उठती आग की लपटों को देखकर इलाके में हड़कंप मच गया।

ट्रेन का थर्ड एसी और एसएलआर कोच जलकर पूरी तरह खाक हो गए।

कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन में लगा ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम कामयाब रहा, जिसकी वजह से आग लगने की सूचना मिलते ही ट्रेन अपने आप खड़ी हो गई और बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन मैनेजर उपेंद्र कुमार (वडोदरा मुख्यालय) ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी कि एक कोच में ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम अलार्म बज रहा है। ट्रेन रुकते ही उन्होंने धुआं देखा और बिना समय गंवाए यात्रियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उपेंद्र कुमार ने बताया कि उनका वॉकी-टॉकी, पेन, कपड़े और अन्य सामान तक जल गया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

उन्होंने कहा कि ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम स्मोक अलार्म की तरह काम करता है और ट्रेन को तुरंत रोक देता है अगर यह सिस्टम न होता तो स्थिति बहुत गंभीर हो सकती थी। ट्रेन स्टॉफ ने कुल 70 से 75 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। आग प्रभावित कोच को बाकी ट्रेन से अलग कर दिया गया और गैप बनाकर आग को आगे फैलने से रोका गया। इस दौरान स्टॉफ सदस्य विमलेश और रविंद्र कुमार खुद बुरी तरह झुलस गए। उनके शरीर पर कई जगह फफोले पड़ गए हैं।

सीनियर डीसीएम जैन ने बताया कि कंट्रोल के जरिए फॉयर की सूचना दी गई। इसमें फायर फाइटिंग टीम और लोकल अथॉरिटी शामिल है। सभी को मोबिलाईज किया गया। उसके बाद सभी ने कॉ-ऑर्डिनेशन बनाते हुए कार्रवाई की और आग पर काबू पाया है। आग बुझाने के लिए तीन जगह से दमकल की गाड़ियां मंगाई गई। रतलाम, चौमहला और विक्रमगढ़ आलोट से दमकल पहुंची थी। कोटा से भी डीजल इंजन भेजा गया और ट्रेन में डीजल इंजन अटैच किया गया। घटनास्थल पर लगभग पहुंचना काफी मुश्किल था, लेकिन टेक्नोलॉजी की मदद से ली है लोकेशन मंगाकर सभी वहां पहुंचे। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि मौके पर रतलाम डीआरएम और अन्य अधिकारी पहुंच गए थे। कोटा से भी एडीआरएम और अन्य अधिकारी पहुंचे थे।

कोटा डीआरएम अनिल कालरा और शेष वरिष्ठ अधिकारी कंट्रोल रूम पहुंच गए थे। रतलाम से भी मदद दी गई और स्पेशल ट्रेन आई थी। ट्रेन को सुबह 9.48 पर कोटा के लिए रवाना किया गया था। इसके बाद ट्रेन को रोका गया है और डीजल इंजन को पीछे लगाया गया।

सीनियर डीसीएम का कहना है कि यात्रियों को पूरी मदद दी गई है। ट्रेन के बी-4 कोच में सवार एक यात्री को मेडिकल इमरजेंसी होने पर चिकित्सकीय मदद भी उपलब्ध कराई गई। कोटा स्टेशन पर पहले से एक पूरा कोच तैयार रखा गया था जिसे जोड़कर सभी यात्रियों को दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। ट्रेन के कोटा पहुंचने पर यात्रियों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका सारा सामान जल गया है। जिसका मुआवजा उन्हें दिया जाए।

भीलवाड़ा में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- गुरुग्राम से पूर्व बैंककर्मी गिरफ्तार, आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज करवाया
- पीड़ित को आरोपियों ने आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला सायबर थाना पुलिस ने शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में एक आरोपी आदित्य कुमार को गुरुग्राम, हरियाणा से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया है, जिनमें करीब साढ़े 28 लाख रुपये की राशि जाम की गई है।

मामले के अनुसार, 13 अप्रैल को भीलवाड़ा निवासी एक पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित को आरोपियों ने खुद को सेबी रजिस्टर्ड बताकर कोटक सिक्योरिटीज प्राइवेट मार्केट ट्रेडिंग से जुड़े व्हाट्सएप ग्रुप्स में जोड़ा। इसके बाद आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर विश्वास में लिया गया। आरोपियों ने फर्जी मोबाइल ऐप के जरिए पीड़ित पर मानसिक दबाव बनाया और 25 फरवरी से 30 मार्च के बीच पीड़ित व उसके परिवार के बैंक खातों से कुल 26,98,000 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए। बाद में पीड़ित की सहमति के बिना ही एक कंपनी के शेयर आवंटित दिखाकर और रुपयों की मांग की जाने लगी। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने सायबर थाने में मामला दर्ज कराया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार एक विशेष टीम का गठन किया गया। यह टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (त्वरित अनुसंधान एवं निस्तारण दल) हेमंत नोगिया के निर्देशन और साइबर थानाधिकारी आयुष श्रोत्रिय के निकटतम सुपरविजन में सायबर थाना पुलिस निरीक्षक रामशरण के नेतृत्व में बनाई गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए संदिग्धों की पहचान की और गुरुग्राम में दबिश देकर आरोपी आदित्य कुमार (21) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी पूर्व में बैंक कर्मचारी रह चुका है, जिसके कारण वह बैंकिंग सिस्टम की कमियों से अच्छी तरह वाकिफ था। इस हाईटेक ठगी का खुलासा करने वाली टीम में रामशरण पुलिस निरीक्षक, सायबर थाना भीलवाड़ा अनुसंधान अधिकारी, बाबूलाल कांस्टेबल, प्रभुराम कांस्टेबल शामिल रहे। पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और देशव्यापी नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

14 साल से फरार इनामी डकैत शंकरनाथ बूंदी से गिरफ्तार

- आरोपी अपनी पहचान छुपाकर और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना बिजौलियां ने डकैती के मामले में पिछले 14 वर्षों से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी वारंटी शंकरनाथ को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान छुपाकर और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार जिले में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण व फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी माण्डलगढ़ बाबूलाल विश्नोई के निकटतम सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व बिजौलियां थानाधिकारी स्वागत पाण्ड्यां कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी शंकरलाल उर्फ शंकरिया पुत्र मोहननाथ कालबेलिया निवासी बेबडिया, थाना डाबी, जिला बूंदी हाल किशनखेड़ी, थाना खानपुर, जिला झालावाड़ डकैती के एक मामले में करीब 14 साल से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा इनाम घोषित था। आरोपी झालावाड़ में अपना निवास स्थान बदलकर रह रहा था। इस दौरान बिजौलियां थाना पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि इनामी बदमाश शंकरनाथ बूंदी जिले के तालेड़ा में अपने एक रिश्तेदार के पारिवारिक कार्यक्रम में आया हुआ है। सूचना की तस्दीक होते ही पुलिस टीम ने तुरंत तालेड़ा में दबिश दी और घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस आरोपी से पुराने मामलों और फरारी के दौरान की गतिविधियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

टोंक में खेत में करंट दौड़ने से पिता-पुत्र की मौत

करीब एक घंटे बाद जब मृतक की पत्नी खेत पर पहुंची तो घटना का पता लगा

टोंक, (निसं)। नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में खेत पर चारा काटते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद जब मृतक की पत्नी खेत पर पहुंची तो घटना का पता लगा, जिसके बाद उसकी चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे तथा बिजली सप्लाई को तुरंत बंद करवाकर दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में खेत पर चारा काटते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरफोर्ट निवासी बद्रीलाल गुर्जर और उनका छोटा बेटा रमेश गुर्जर दोनों रविवार सुबह पशुओं के लिए चारा लेने खेत (मानक जी का कुआं) पर गए थे। इसी दौरान ट्रांसफॉर्मर के पास चारा काटते समय मिट्टी में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

करीब एक घंटे बाद मृतक की पत्नी खेत पर चारा लेने पहुंची तो उसने पति और बेटे को जमीन पर बेसुध पड़ा देखा। चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर पास के ट्रांसफॉर्मर से बिजली सप्लाई बंद करवाई और पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नगरफोर्ट अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए, जिसके बाद दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया।

पिकअप और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। भादर डूंगरा फला में एक पिकअप और बाइक के बीच टक्कर हुई, जिसमें युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान भीलवा पंचेला निवासी दशरथ पुत्र भगवान लाल रोत के रूप में हुई है। दशरथ अपनी बाइक से ससुराल बांसिया जा रहे थे। डुंगरा फला के पास सामने से आ रही एक पिकअप से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में दशरथ के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी विनोद कटारा मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना पर एएसआई महिपाल सिंह अपने जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को धंबोला थाना परिसर में खड़ा करवाया गया है। हादसे की खबर मिलने पर मृतक के परिजन और ससुराल पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। दशरथ अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बारातियों ने पत्थर से हमला कर युवक की हत्या की

उदयपुर, (कासं)। बारातियों ने पत्थर से हमला कर युवक की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण के अनुसार 15 मई को डूगरपुर जिले के देवल गांव से मसारों की ओवरी ऋषभदेव गांव में बारात आई थी। रात में रोड़ के बीच कार खड़ी होने पर बाइक चालक मसारों की ओवरी निवासी दिनेश (19) पुत्र राजकुमार ने एतजरात किया था। इस पर कार में सवार बदमाशों ने पत्थर से हमला कर उसे घायल कर दिया। इसका पता चलने पर परिजन उसे चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर रविवार को ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। इस मामले में पुलिस ने राजकुमार पुत्र चतरा डामोर निवासी मसारो की ओवरी की रिपोर्ट पर आरोपी प्रितम निवासी खाण्डी ओवरी खेरवाड़ा व साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की।

कोटा न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एक और प्रसूता की मौत

- शिवपुरा की रहने वाली शिरिन की भी नए अस्पताल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल हो गई थी

कोटा, (निसं)। कोटा में किडनी फेल होने के मामले में रविवार को एक और महिला की मौत हो गई। महिला शिरिन (29) मेडिकल कॉलेज के नेफ्रोलॉजी आईसीयू में भर्ती थी। महिला को एक दिन पहले निजी अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। शिवपुरा की रहने वाली शिरिन की भी नए अस्पताल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल हो गई थी। 7 मई की शाम को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। घरवाले शिरिन को तलवंडी के एक निजी हॉस्पिटल ले गए थे। 8 मई को शिरिन का डायलिसिस हुआ, लेकिन उसकी बॉडी में इंफेक्शन हो गया था। 16 मई को फिर से मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया था।

जानकारी के अनुसार सीजेरियन के बाद किडनी फेल होने के मामले में जेके लोन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में अब तक 5 महिलाओं की मौत हो चुकी है। सीजेरियन डिलीवरी के बाद 12 से ज्यादा महिलाओं की किडनी फेल हुई थी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन का कहना है कि शिरीन की मौत हुई है। यह पहले मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती थीं। उसे सेप्टीसीमिया हो गया था फिर परिजन निजी अस्पताल ले गए जहां से 16 मई को दोबारा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। शिरीन के मल्टी ऑर्गन्स डिस्फंक्शन हो गया था। रविवार को उसने दम तोड़ दिया।

मृतका के परिवार ने बताया कि शिरिन 6 महीने की गर्भवती थी। 5 मई की सुबह 9.30 बजे उसे न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लाया गया था। डॉक्टर ने बताया था कि शिरिन के बच्चेदानी का मुंह खुला हुआ है और टांके लगाने को कहा। दोपहर 12 बजे भर्ती किया गया। टांके लगाने के बाद शिरिन को वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। 7 मई की सुबह करीब 4 बजे शिरिन की तबीयत बिगड़ने लगी। उसे हल्का ब्लड निकलने लगा, जिसे स्टॉफ ने नॉर्मल बताया। सुबह 7 बजे खून ज्यादा बह रहा था, और शिरिन का बीपी-प्लेटलेट्स डाउन हो गया। दोपहर शिरिन को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। वहां स्टॉफ ने जांच की लेकिन इन्फेक्शन नहीं बताया। शिरिन का यूरिन आना बंद हो गया। शाम होते-होते स्टॉफ ने उसे दूसरी जगह ले जाने को कहा जिसके बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। कोटा में सीजेरियन के बाद किडनी फेल होने से अब तक पांच महिलाओं की जान जा चुकी है। 5 मई को पायल की मौत से हुई थी। इसके बाद ज्योति ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसी बीच, प्रिया की हालत जेके लोन अस्पताल में बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। किडनी फेल होने के कारण पिंकी महावर और शिरिन की जान चली गई।

बालोतरा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा

पुलिस टीम ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर हुये हादसे में कार पलटी खा गई।

- हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, अस्पताल में भर्ती करवाया
- गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर निवासी परिवारजन कार से रामदेवरा जा रहे थे

बालोतरा, (निसं)। जिले के जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर रविवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर निवासी परिवार बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए रामदेवरा जा रहा था। इसी दौरान आसोतरा के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का संतुलन बिगड़ गया और वाहन कई पलटे खाते हुए सड़क किनारे जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग सड़क किनारे जा गिरे। हादसे में अजमल (35) पुत्र गणेशा, नामूलम तथा हितेश भाई (32) पुत्र देवकरण भाई पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अशोक भाई, कमलेश भाई और अजमल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से बालोतरा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया, जिसके बाद गाड़ी पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही जसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। मौके पर एसपी रमेश कुमार, सिवाना डीएसपी देरावरसिंह, डीटीओ भगवानाराम गहलोत, जसोल थानाधिकारी शारदा विश्नोई, थानाधिकारी चन्द्रसिंह, एएसआई जसराम, बालोतरा एएसआई वीरसिंह तथा डॉक्टर कमलेश चौधरी सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी पहुंचे। वहीं जनप्रतिनिधियों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के युवा नेता थानसिंह डोली भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में सहयोग करते हुए घायलों की कुशलक्षेम पूछी। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाए हैं तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना माना जा रहा है।

टपूकड़ा में सिक्सलेन हाईवे खुदाई से गैस पाइपलाइन लीक

नाला खुदाई करते समय हुई घटना, इमरजेंसी टीम घटनास्थल पहुंची, स्थिति नियंत्रित

सूचना मिलते ही एसकेएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर पहुंची।

- सूचना मिलते ही एसकेएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर पहुंची और गैस की आपूर्ति बंद कर दी

अलवर, (निसं)। टपूकड़ा में निर्माणाधीन सिक्सलेन हाईवे की खुदाई के दौरान रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे गैस पाइपलाइन में रिसाव हो गया। जेसीबी मशीन से नाला खुदाई करते समय यह घटना हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पाइपलाइन से गैस का तेज रिसाव शुरू होते ही आसपास काम कर रहे मजदूर और स्थानीय लोग घबराकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। सूचना मिलते ही एसकेएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए गैस की आपूर्ति बंद कर दी।

हरियाणा गैस सिटी के इंजीनियर जयवीर ने बताया कि पीएनजी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से यह रिसाव हुआ था। इसमें किसी भी प्रकार की आगजनी या जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल, गैस कंपनी की टीम क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का काम कर रही है। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके में लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग मौके पर स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं। गैस कंपनी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा और सामान्य गतिविधियां जल्द बहाल हो जाएगी।

25 मई से 5 जून तक प्रदेश में गांव-गांव तक गूंजेगा जल संरक्षण का संदेश

गंगा दशमी से विश्व पर्यावरण दिवस तक चलेगा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित ना रखकर गांव-गांव तक पहुंचाया जाए और जन आंदोलन बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जल संचय को बढ़ावा देने में यह अभियान महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए शहरों से लेकर ग्राम स्तर तक आमजन एवं प्रशासन की भागीदारी इस अभियान में सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान, जल संचय जन भागीदारी 2.0 और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली।

उन्होंने 25 मई को गंगा दशमी से 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक प्रदेशभर में जल संरचनाओं के पूजन-नमन के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आमजन को गंगा दशमी के धार्मिक, भावनात्मक एवं पर्यावरणीय महत्व की जानकारी दी जाए, ताकि जल संरक्षण को लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा सके। इसके लिए सरकार एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ ही स्वयं सेवी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान, जल संचय जन भागीदारी 2.0 और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान को लेकर रविवार को उच्च स्तरीय बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को जल संचय के प्रति जागरूक करने के साथ ही मकानों एवं इमारतों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को और अधिक विकसित किया जाए, ताकि वर्षा के जल का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि जल संग्रहण के लिए अधिकाधिक संख्या में जल संरचनाओं का विकास एवं निर्माण किया जाए, ताकि भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ' को जन संदेश बनाकर गांव-गांव तक प्रचारित करने के लिए निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कुएं, तालाब एवं बावड़ी जैसी जल संरचनाओं की साफ-सफाई के साथ जीर्णोद्धार करवाया जाए और उनकी पाल पर अधिकाधिक पौधारोपण किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित भविष्य दिया जा सके। बैठक में जल संचय जन भागीदारी 2.0 और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियानों की अब तक की प्रगति का प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

- **जल संचय एवं भूजल स्तर बढ़ाने के लिए विकसित की जाएं जल संरचनाएं : मुख्यमंत्री**
- **कुएं, तालाब, बावड़ी जैसी जल संरचनाओं के पूजन के साथ पाल पर होगा पौधारोपण : भजनलाल शर्मा**
- **मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश**

नारी शक्ति और संस्कार, भारत की वास्तविक शक्ति : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि नारी गरिमा, संस्कार, सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति समाज की सामूहिक आस्था का प्रतीक है। देवनानी रविवार को यहां कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के.एल.शर्मा द्वारा संकलित पुस्तक गीता शर्मा एक असाधारण व्यक्तित्व के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने 6 ग्रामीण बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 6 ग्रामीण बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की।

देवनानी ने कहा कि भारत ने हजारों वर्ष पूर्व ही महिलाओं को शिक्षा, विचार और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्रदान कर दी थी। वैदिक काल में गार्गी, मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने केवल ज्ञान अर्जित नहीं किया, बल्कि समाज का मार्गदर्शन भी किया। भारतीय परंपरा में नारी को सदैव ज्ञान और चेतना की केंद्र शक्ति माना गया है। देवनानी ने कहा कि आज स्वतंत्र भारत पुनः उसी वैदिक चेतना को जागृत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि महिला विकास से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व आधारित विकास की अवधारणा को स्थापित किया गया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाया है। उन्होंने कहा कि आज भारत की बेटियाँ सेना, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रशासन, खेल और उद्यिमता सहित प्रत्येक क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही हैं। यह परिवर्तन केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि भारतीय समाज की चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

देवनानी ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति, अध्यात्म, पारिवारिक व्यवस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित है। यही कारण है कि आज पूरा विश्व योग, आयुर्वेद और भारतीय जीवन दर्शन की ओर आकर्षित हो रहा है। समारोह को राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के एल शर्मा, राजीव जैन, राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष बी एम शर्मा और प्रो. एस एल शर्मा ने भी संबोधित किया। समारोह में भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी के के शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। आभार रचना शर्मा ने व्यक्त किया।

मुख्य सचिव ने किया आमेर महल का भ्रमण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को आमेर महल का भ्रमण किया। इस दौरान सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति, पुरातत्व शुचि त्यागी भी उपस्थित रही।

मुख्य सचिव ने सर्वप्रथम आमेर की आराध्य देवी शिला माता के दर्शन किये। इसके पश्चात् आमेर महल का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान गत वर्ष में आमेर भ्रमण करने वाले पर्यटकों की कुल संख्या लगभग 22 लाख 82 हजार जिसमें विदेशी पर्यटक लगभग 2 लाख 70 हजार एवं 6270 प्रतिदिन औसतन पर्यटकों की संख्या को देखकर पर्यटकों को आने वाली समस्याओं की जानकारी ली गयी। पर्यटकों की संख्या को और बढ़ानें के लिए सकारात्मक प्रयास करते हुए पार्किंग को पूर्णतः विकसित एवं व्यवस्थित करने एवं आमेर महल तक आने वाले रास्तों एवं शौचालय आदि मूलभूत सुविधाओं और अधिक विकसित करने के निर्देश प्रदान किये।

केन्द्रिय परिवर्तित योजना के तहत् चल रहे 25.5 करोड़ के कार्यों जैसे- परियों के पास स्थित खाली जमीन पर पार्किंग विकास, प्राचीन आमेर महल, खेड़ी गेट से पितलिया भवन वाली रोड, भारमल की छतरियाँ एवं अन्य कार्य तथा बजट घोषणाओं के 4.02 करोड़ के तहत् चल रहे मानसिंह महल के कार्यों का निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों पर संतुष्टि व्यक्त की।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को आमेर महल का भ्रमण किया। इस दौरान सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति, पुरातत्व शुचि त्यागी भी उपस्थित रही।

मानसिंह महल में चल रहे संरक्षण के कार्यों का बारिकी से अवलोकन किया एवं संरक्षण कार्य के दौरान निकाले गये कंगूरों को सराहा। साथ ही मानसिंह महल स्थित छज्जे की टोडियों पर स्थित भित्ति चित्रों के संरक्षण हेतु जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। आमेर महल स्थित सिंहपोल, गणेशपोल, भोजनशाला आदि में स्थित भित्ति चित्रों के संरक्षण हेतु एवं के मध्य हुए अनुबन्ध को सराहा।

बजट घोषणाओं के तहत् बनाये जाने वाले डिजिटल संग्रहालय के स्थान चयन की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिये गयें मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग को गाईडों के संबंध में और अधिक प्रशिक्षण देने के संबंध में निर्देशित किया ताकि गाईडों द्वारा जयपुर आने वाले पर्यटकों को सटीक एवं तथ्यपूर्ण जानकारी प्रदान की जा सकें। मुख्य सचिव को पर्यटक गाईड महेश शर्मा द्वारा महल का भ्रमण करवाया गया। शीशमहल के अवलोकन के दौरान उसके स्थापत्य को देखकर मुख्य सचिव अभिभूत हुये एवं इनके संरक्षण के बारे में अत्यधिक सावधानी बरतने एवं उनके मूल स्वरूप को बरकरार रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।

भ्रमण के दौरान निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, संयुक्त निदेशक, पर्यटन एवं अधीक्षक, आमेर महल एवं आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक (कार्य) एवं उनकी टीम उपस्थित रही।

वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य : वसुन्धरा राजे

जयपुर(कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने स्वास्थ्य कल्याण रक्त केंद्र के 32वें स्थापना दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, जयपुर के पूर्व सांसद राम चरण बोहरा और पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल भी उपस्थित थे।

राजे ने संस्था के अध्यक्ष डॉ.एसएस अग्रवाल और उनकी टीम को साधुवाद दिया,जो 32 वर्षों से इस पुनीत कार्य में जुटे हुए हैं। साथ ही रक्तदान दाताओं का आभार भी व्यक्त किया,जिन्होंने लोगों का जीवन बचाने के लिए यह पुण्य कार्य किया।उन्होंने कहा कि आज हर 2 सेकंड में भारत में किसी न किसी व्यक्ति को खून की ज़रूरत पड़ती है और हर साल 12 लाख यूनिट खून की कमी से लोग जान गँवा देते हैं।इसलिए रक्तदान हम सब के लिए आवश्यक है।वे बोलीं-वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य हैं।इसीलिए रक्तदान को सर्वोच्च दान माना गया है,जो नि:स्वार्थ भाव से किसी की जान बचाकर सबसे बड़ा पुण्य कमाने का अवसर देता है।जो न केवल मानव सेवा है,बल्कि समाज में एकता और इंसानियत का श्रेष्ठ उदाहरण है। उन्होंने आव्हान किया कि हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए,क्योंकि रक्त का कतरा किसी न किसी व्यक्ति के लिए जीवन है।

2.60 लाख किसानों को दलहनी-तिलहनी फसलों का अनुदानित बीज मिलेगा

135 करोड़ रुपये की बड़ी योजना को वित्त विभाग की मंजूरी मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य तेलों एवं दालों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कटिबद्धता से कार्य कर रहीं है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-तिलहन एवं दलहन के अंतर्गत 135 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी है। इस योजना के तहत राज्य में 70 हजार फसल प्रदर्शनों का आयोजन किया जाएगा तथा 2 लाख 60 हजार किसानों को मूंग, उड़द, अरहर, सोयाबीन, सरसों, तिल एवं अरंडी आदि फसलों के अनुदानित एवं प्रमाणित बीज निःशुल्क या अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। कुल व्यय 135 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत वहन किए जाएंगे। यह योजना "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के अंतर्गत किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने, उत्पादकता बढ़ाने तथा उनकी आय में वृद्धि करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने बताया कि बीज वितरण एवं फसल प्रदर्शनों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार किसानों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देकर हम न केवल किसानों की आय बढ़ाएंगे बल्कि देश को खाद्य तेलों एवं दालों में आत्मनिर्भर बनाने में भी अपना योगदान देंगे।

बीड़ पापड़ सफारी में आसानी से दिख रहे बघेरे

जयपुर के वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद खबर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के विद्याधर नगर स्थित बीड़ पापड़ लेपर्ड सफारी इन दिनों वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सफारी में आने वाले पर्यटकों को लगातार बघेरों (लेपर्ड्स) की अच्छी साइटिंग हो रही है, जिससे यहां रोमांच का माहौल है और पर्यटकों के चेहरे खिले हुए हैं। रेंजर रघुवेंद्र राठौड़ ने बताया कि सफारी क्षेत्र में बघेरे पूरी तरह सहज महसूस कर रहे हैं। यही कारण है कि पर्यटकों को उनके प्राकृतिक आवास में अठखेलियां करते और घूमते हुए आसानी से देखा जा रहा है।

- **गर्मी में लेपर्ड्स के लिए पानी के विशेष इंतजाम किए : रेंजर राठौड़**

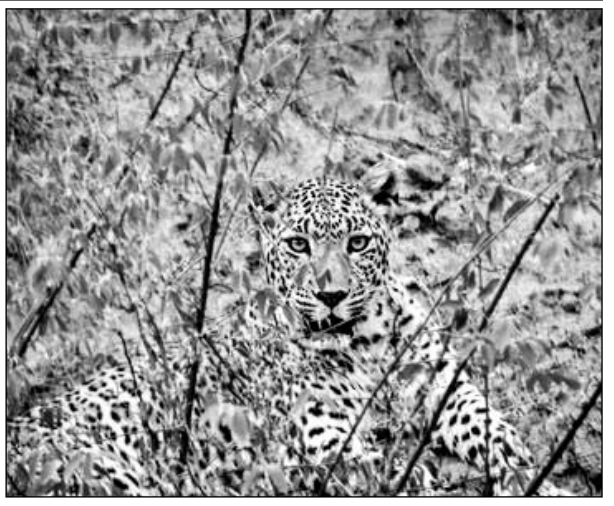

राठौड़ ने बताया कि राजधानी में लगातार बढ़ रही तेज गर्मी को देखते हुए वन विभाग बेहद सतर्क है। सफारी क्षेत्र में रह रहे वन्यजीवों को पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े, इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्र में बने सभी वॉटर पॉन्ड्स (कृत्रिम जलाशयों) में समय-समय पर पानी भरा जा रहा है। वन विभाग की टीम लगातार इन वाटर पॉन्ड्स की मॉनिटरिंग कर रही है ताकि तेज धूप और गर्मी के इस मौसम में कोई भी वन्यजीव प्यासा न रहे और उन्हें सफारी क्षेत्र के अंदर ही पर्याप्त मात्रा में शीतल जल उपलब्ध हो सके। पानी के इन स्त्रोतों के आसपास भी वन्यजीवों की अच्छी आवाजाही देखी जा रही है।

स्व. गिर्राज शर्मा की स्मृति में 400 यूनिट रक्तदान

जयपुर। स्व. गिर्राज शर्मा की पुण्य स्मृति में गोनेर के शर्मा परिवार की ओर से मालवीय नगर स्थित अणुविभा केंद्र में शनिवार को आयोजित 25वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। मानव सेवा एवं सामाजिक सरोकार को समर्पित इस आयोजन में दिनभर रक्तदाताओं का उत्साह देखने को मिला तथा बड़ी संख्या में लोगों ने जरूरतमंद मरीजों के लिए स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर में करीब 400 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्तदान जीवन और मृत्यु से संघर्ष कर रहे रोगियों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में बढ़ती रक्तदान की भावना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है और इस प्रकार के आयोजन जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं।

मुख्यमंत्री से मिले घुमंतु-अर्द्धघुमंतु जनजाति समाज के लोग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास और सामाजिक उत्थान के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सशक्त महिला, शिक्षित युवा, समृद्ध किसान और कुरीतिमुक्त समाज ही प्रदेश के समग्र विकास का आधार है। डबल इंजन सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं बजट घोषणाओं के माध्यम से सुशासन की संकल्पना साकार हो रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर गडरिया-गाड़री-गायरी-धनगर-पाल-बघेल सहित विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा समाज हित में की गई बजट घोषणाओं एवं कल्याणकारी प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर की 301वीं जयंती पर आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय समारोह के पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज गौरवपूर्ण इतिहास एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का धनी है। खानवा के युद्ध में वीर सिंह बघेल ने राणा सांगा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मुगल आक्रांताओं के खिलाफ अदम्य साहस, शौर्य, स्वामीभक्ति का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं, गडरिया समाज पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर की गौरवशाली परंपराओं के प्रति श्रद्धावान होकर उन्हें आगे बढ़ा रहा है। पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर ने राष्ट्र को दिशा देने का कार्य किया। समाज उनके दिखाए मार्ग पर चलकर और आदर्शों से प्रेरणा लेकर कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे। कार्यक्रम में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतू जनजाति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दुष्यंत कुमार बघेल सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदेशभर में 43 पेट्रोल पम्पों के नोजल किए सीज

7 जिलों के 25 पेट्रोल पम्पों पर हो रही थी गड़बड़ी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग की अचानक जांच कार्रवाई में प्रदेशभर के कई पेट्रोल पंपों पर आम उपभोक्ताओं के साथ हो रही बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। विभाग द्वारा 7 जिलों में की गई सघन जांच के दौरान 25 पेट्रोल पंपों के कुल 43 गड़बड़ नोज़ल जब्त/बंद किए गए। जांच में सामने आया कि कई पेट्रोल पंप हर 5 लीटर पर 30 से 60 एमएल तक कम ईंधन दे रहे थे। बड़ी मात्रा में बिक्री होने के कारण यह कमी हर महीने उपभोक्ताओं को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा रही थी।

सिरोही जिले में 7 पेट्रोल पंपों के 9 नोज़ल बंद किए गए। रामपीर फिलिंग स्टेशन, पवन फिलिंग, करणी फ्यूल, देवनगरी पेट्रोलियम सर्विस, पार्वती दरिया फिलिंग स्टेशन, सुरेन्द्र जितेन्द्र ट्रेडर्स एवं भगवती फिलिंग स्टेशन पर 40 से 50 एमएल तक शॉर्ट डिलीवरी मिली। यहां प्रतिमाह 90 से 360 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था, जिससे करीब 1.14 लाख की अनुमानित हानि हो रही थी।

- **औचक निरीक्षण के दौरान उपभोक्ता मामलात विभाग ने कार्रवाई की**

अलवर जिले में सिंघल सर्विस स्टेशन और चौधरी सर्विस स्टेशन के 5 नोज़ल बंद किए गए। सिंघल सर्विस स्टेशन पर 30 से 60 एमएल तक कम डिलीवरी मिली, जहां प्रतिमाह 648 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था। जिले में कुल अनुमानित हानि 91 हजार से अधिक आंकी गई। नागौर जिले में 4 पेट्रोल पंपों के 11 नोज़ल जब्त किए गए। नंदलाल राजेश कुमार कछवाहा फिलिंग स्टेशन, गुलाबदास आत्माराम, मारवाड़ फिलिंग स्टेशन एवं आर एल सिहाग पेट्रोलियम पर प्रतिमाह 54 से 378 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था। यहां करीब 97 हजार की आर्थिक हानि सामने आई।

भीलवाड़ा जिले में 3 पेट्रोल पंपों के 4 नोज़ल बंद किए गए। दीपक पेट्रोलियम, शिव इंडियन ऑयल एवं श्री श्याम फिलिंग स्टेशन पर प्रतिमाह 34 से 90 लीटर तक कम पेट्रोल दिया जा रहा था। सीकर जिले के सीएसआरबी फिलिंग स्टेशन नायरा के 4 नोज़ल बंद किए गए, जहां प्रतिमाह 216 लीटर तक शॉर्ट डिलीवरी सामने आई। पाली जिले में मा आई जी फिलिंग, पूजा एचपी पेट्रोलियम, पार्श्व एनर्जी एवं कछवा बस सर्विसेज के 5 नोज़ल बंद किए गए। यहां प्रतिमाह 45 से 180 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था, जिससे उपभोक्ताओं को 55 हजार से अधिक की अनुमानित हानि हो रही थी। विभागीय आकलन के अनुसार चिन्हित मामलों में ही उपभोक्ताओं से हर महीने करीब 4 लाख तक की अतिरिक्त वसूली की जा रही थी।

उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग है और ऐसी अचानक निरीक्षण कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विभाग की सक्रिय कार्रवाई से आम उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिल रहा है तथा पेट्रोल पंप संचालकों में भी नियमों के पालन को लेकर जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सेंट्रल जेल में फिर मिली प्रतिबंधित सामग्री

जयपुर। राजधानी की हाई सिक्योरिटी जयपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल परिसर से दो मोबाइल फोन, जर्दे की पुड़िया और बीड़ी के बंडल मिलने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले में जयपुर पुलिस के लाल कोठी थाने में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

लालकोठी थानाधिकारी प्रकाश राम ने बताया कि 16 मई को सेंट्रल जेल के उप कारापाल रमेश चंद की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार तलाशी के दौरान वार्ड नंबर-7 के पीछे जेल की मुख्य दीवार के पास खाकी टेप में लिपटा एक पार्सल मिला। पार्सल की तलाशी लेने पर उसमें जर्दे की 12 पुड़िया, बीड़ी के 15 बंडल, एक बिना सिम का मोबाइल फोन और चार्जिंग केबल बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि यह पार्सल जेल के बाहर से अंदर फेंका गया था।

थानाधिकारी ने बताया कि इसी दिन उप कारापाल रमेशचंद ने एक अन्य मामला भी दर्ज कराया।

भैंस चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। बगरू थाना पुलिस ने पशु चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन एवं भैंस बिक्री की नकद राशि बरामद की है। आरोपी ने बगरू के साथ दूदू क्षेत्र में भी भैंस चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशान्त किरण ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने पशु चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए शातिर आरोपी आरोपी फरीद मोहम्मद (19) पुत्र इकबाल मोहम्मद निवासी डिग्गी जिला टोंक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भैंस बिक्री के 10 हजार रुपए तथा चोरी में प्रयुक्त पिकअप जब्त की है। पुलिस गैंग के अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने बावरिया गैंग के अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने दूदू क्षेत्र के ग्राम सेवा इलाके से भी भैंस चोरी करना स्वीकार किया। बगरू थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार गोदारा ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद से पुलिस घटनास्थल से जयपुर शहर और रिंग रोड की ओर जाने वाले रास्तों के सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध पिकअप वाहन का रोडमैप तैयार किया। जांच के दौरान वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन नंबर आरजे-26 जीए-5758 की पहचान कर पुलिस टीम ने टोंक जिले के डिग्गी थाना क्षेत्र स्थित इस्लामपुरा गांव में दबिश देकर आरोपी को वाहन सहित दस्तयाब कर लिया।

सूर्यनमस्कार विशेष प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

जयपुर। क्रीडा भारती जयपुर प्रांत का सूर्य नमस्कार का तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 15 मई से 17 मई तक सेवा सदन, सहकार मार्ग जयपुर में आयोजित हुआ। मुख्य प्रशिक्षक, बैंगलोर से आये क्रीडा भारती के अखिल भारतीय योग एवं सूर्य नमस्कार प्रमुख चन्द्रशेखर जहागिरदार ने तीनों दिन उपस्थित रहकर प्रशिक्षणार्थियों को सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण दिया तथा इसकी बारीकियां विस्तार से बताई। साथ ही उन्होंने आसन व योग चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया। चूंकि कीड़ा भारती का कार्य क्षेत्र खेल व खिलाड़ी हैं।

झालावाड़ के सारोला कलां में 140 किलो चांदी, एक किलो सोना सहित नगदी ले गये डकैत

हथियारबंद बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर करोड़ों की डकैती की वारदात को अंजाम दिया

झालावाड़, (निसं)। जिले के सारोला कलां कस्बे में शनिवार देर रात उस समय दहशत फैल गई, जब हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने एक घर में घुसकर डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने परिवार के सदस्यों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाया, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ मारपीट की और 140 किलो चांदी एक किलो सोना लाखों रुपए की नकदी

- **बदमाश घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात से भरे 7 से 8 पीपे और करीब 10 लाख रुपए की नकदी ले गये**

लूट की वारदात के बाद पुलिस टीम ने घटना स्थल का जायजा लिया।

घर को निशाना बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया।

लूटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार वारदात रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। पीड़ित महेश सोनी अपनी पत्नी उषा सोनी के साथ मकान की छत पर सो रहे थे, जबकि नीचे कमरे में उनकी मां कृष्णा सोनी, बहन नीतू सोनी, भाई आनंद सोनी और बीमार पिता बद्रीलाल सोनी मौजूद थे। इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक बदमाश घर में घुस आए और परिवार को हथियार दिखाकर कब्जे में ले लिया। पीड़ित परिवार के अनुसार बदमाशों ने घर में जमकर उत्पात मचाया। महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और चेन छीन ली गई। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और कमरे में बंद कर दिया गया। बदमाशों ने घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात से भरे 7 से 8 पीपे और करीब 10 लाख रुपए की नकदी समेट ली। घटना के दौरान घर में मौजूद बुजुर्ग बद्रीलाल सोनी के साथ भी मारपीट की गई। परिवार के लोगों ने बताया कि बदमाश बेहद आक्रामक थे और लगातार हथियार दिखाकर धमकाते रहे। उधर, नीचे से आवाजें सुनकर जब महेश सोनी और उनकी पत्नी छत से नीचे पहुंचे तो अंदर से गेट बंद मिला। काफी मशक्कत के बाद गेट तोड़कर अंदर पहुंचे, तब तक बदमाश सामान लेकर भाग रहे थे। परिवार ने बदमाशों को हाथों में पीपे लेकर भागते हुए देखा। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने आसपास के कुछ मकानों के ताले भी तोड़ दिए, जिससे पूरे कस्बे में भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हुआ और देर रात ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

डीएसटी टीम, मोबाइल इन्वेस्टिगेशन यूनिट और एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

अमित बुढ़ानिया, जिला पुलिस अधीक्षक, झालावाड़ का कहना है पुलिस की टीमें लगातार मामले की जांच में जुटी हुई है सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर इन्वेस्टिगेशन की जा रही है। आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार करेंगे।

मुकुंदगढ़ में सड़क हादसे में मेडिकल स्टूडेंट की मौत

स्कार्पियो ने डिवाइडर पार कर बाइक को टक्कर मार दी थी

मुकुंदगढ़, (निसं)। कस्बे के पूनियां बास के पास दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक स्कॉर्पियो कार ने डिवाइडर कूदकर बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो झुंझुनूं से मुकुंगढ़ की ओर आ रही थी, जबकि बाइक सवार नवलगढ़ से झुंझुनूं की ओर जा रहा था। बस स्टैंड के पास अचानक स्कॉर्पियो डिवाइडर पार कर झुंझुनूं की ओर जा रहे बाइक सवार से जा टकराई। हादसे में घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने तुरंत मुकुंगढ़ सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राकेश कुमार पुत्र जुगुल किशोर (36), निवासी बाय नवलगढ़ के रूप में हुई है। राकेश कुमार मेडिकल डिप्लोमा कर रहा था और जो प्रेक्टिकल देने के लिए बगड़ जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही यह हादसा हो गया। हादसे में स्कॉर्पियो में चालक सहित दो महिला भी घायल हुई। जिन्हें मुकुंगढ़ सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। राकेश कुमार विवाहित था। और उसके दो बेटे हैं। हादसे में स्कॉर्पियो और बाइक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही मुकुंगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

कार की टक्कर से ऑटो पलटा, चालक की मौत

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से ऑटो पलट गया। हादसे में निचे दबने से चालक की मौत हो गई तथा साथी घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय कुमार पुत्र कन्हेयालाल निवासी भुपालपुरा व साथी अनिल चावला दोनों स्क्रेप खरीदने के लिए गए थे। जहां से लौटते समय ढाबा लोजली कट राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजसमन्द की तरफ से आ रही कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। जिससे स्क्रेप से भरा ऑटो पलट गया। हादसे में निचे दबने से चालक व साथी घायल हो गए। जिन्हें निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां चालक विजय की मौत हो गई।

उदयपुर में एक लाख रुपये की रिश्वत लेते ए.एस.आई. गिरफ्तार

उदयपुर/जयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चौकी उदयपुर की टीम ने छेड़छाड़ मामले का केस दर्ज नहीं करने के एवज में पीड़ित से एक लाख रूपये रिश्वत लेते प्रतापनगर थाने के एएसआई सुनील विश्नोई को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपित पुलिसकर्मी पर छेड़छाड़ और बलात्कार का मामला दर्ज नहीं करने तथा राजीनामा करवाने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस परमिला के निर्देशन में एएसआई सुनील विश्नोई से पूछताछ एवं अग्रिम जांच के अलावा उसके मकान की गहन तलाशी ली जा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर को 9 मई को शिकायत मिली थी। जिसमें परिवादी की एक युवती से साधारण नोकझोक के मामले में थाना प्रतापनगर के एएसआई सुनील विश्नोई, कांस्टेबल शंकरलाल, बनवारीलाल द्वारा परिवादी को थाने पर बुलाकर युवती द्वारा छेड़छाड़ एवं बलात्कार की रिपोर्ट देना बताते हुए प्रकरण दर्ज नहीं करने एवं दोनों पक्षों में राजीनामा करवाने के नाम पर 3 लाख रूपयों की मांग की जा रही है। परिवादी द्वारा हाथा-जोड़ी करने पर अंतिम रूप से 1 लाख 30 हजार रूपये की मांग तय की गई। उक्त शिकायत का ब्यूरो चौकी उदयपुर की टीम द्वारा सत्यापन करवाया गया तो सुनील विश्नोई एएएसआई सत्यापन के दौरान 25 हजार रूपये नकद प्राप्त किये गये तथा 5 हजार रूपये की मांग कम करते हुए शेष 1 लाख रूपये शीघ्र इंतजाम कर उपलब्ध करावाये जाने के लिए कहा गया। इस पर डॉ. रामेश्वरसिंह उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पर्यवेक्षण में कार्यवाही करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनन्त कुमार मय टीम ने ऑर्बिट रिसोर्ट न्यू भुपालपुरा उदयपुर की कार पार्किंग से प्रतापनगर थाने के एएसआई सुनील विश्नोई को एक लाख रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाने का एएसआई सुनील विश्नोई

- **छेड़छाड़ के मामले में केस दर्ज नहीं करने की एवज में मांगी थी रिश्वत**

पाली पुलिस के सायबर एक्सपर्ट अमरीश पुरी सहित तीन की सड़क हादसे में मौत

मां और छोटे भाई की हादसे में मौत हो गई, बीमार मां को फेरी दिलवाने के लिये बुटाटी ले जा रहे थे

पाली, (निसं)। पाली में हुए कई बड़े अपराधों का राज खोलने में अहम भूमिका निभाने वाले पाली पुलिस के सायबर एक्सपर्ट अमरीश पुरी, उसकी मां और तीन महीने पहले जिस छोटे भाई का मुकलावा करवाया था, उसकी और उसकी पत्नी की सड़क हादसे में रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे दर्दनाक मौत हो गई। सभी पड़ौसी की वैन लेकर नागौर जिले के बुटाटी बीमार मां को फेरी दिलवाने ले जा रहे थे, लेकिन बुटाटी से चंद दूरी पहले चकणाढ़ी (कुचेरा) के पास उनकी वैन सामने से आ रही रोडवेज से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि उसमें सवार पाली पुलिस के सायबर एक्सपर्ट अमरीश पुरी, उसकी मां रूकमादेवी और छोटा भाई उमेश पुरी और उसकी 22 साल की पत्नी नीतू की दर्दनाक मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में मृतक अमरीश पुरी की पत्नी जशोदा, बेटी मानसी, बेटा वेदान्स और पिता संतोषपुरी गंभीर घायल हो गए। जिनका जोधपुर में इलाज जारी है। सभी जोधपुर जिले के रावनियाना बोरूंदा के रहने वाले हैं।

पाली पुलिस की सायबर सैल में तैनात कांस्टेबल अमरीश पुरी साल 2018 बैच का कांस्टेबल था। वर्तमान में वह पाली एसपी ऑफिस परिसर में बनी सायबर सैल में तैनात था। उसने कोतवाली, डीएसटी में भी ड्यूटी की थी। पिछले करीब चार साल से सायबर सैल में तैनात था। जिसने चोरी, लूट, मर्डर जैसे कई महत्वपूर्ण केस के खुलासा करने में सायबर टीम की ओर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सायबर सैल के गौतम आचार्य ने बताया कि अमरीश पुरी हार्डवर्कर और हंसमुख स्वभाव का था। उसकी अचानक हुई मौत से पूरा पाली का पुलिस महकमा शोक में है। हादसे की खबर सूनने के बाद पाली पुलिस के कई पुलिसकर्मियों ने मृतक अमरीश पुरी की अकाल मौत पर शोक जताया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उसकी फोटो लगाकर उसकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

जानकारी के अनुसार अमरीश पुरी की 50 वर्षीय मां रूकमादेवी को लकवे की शिकायत थी। ऐसे में अमरीश पुरी और उसके छोटे भाई उमेश पुरी की फैमेली रविवार सुबह करीब छह बजे रावनियाना गांव से पड़ौसी से उसकी ईको वैन मांगकर बुटाटी के लिए रवाना हुए थे। सुबह करीब साढ़े सात बजे वे कुचेरा थाना क्षेत्र में हाईवे पर उनकी गाड़ी सामने से आ रही रोडवेज बस से टकरा गई। मृतक उमेश पुरी उर्फ आकाश पुत्र संतोषपुरी गोस्वामी का मुकलावा करीब तीन महीने पहले ही हुआ था। उसकी शादी चिरपटिया गांव निवासी नीतू से हुई थी। दोनों पति-पत्नी भी परिवार के साथ वैन में सवार थे। लेकिन इस हादसे में नव दम्पती की भी दर्दनाक मौत हो गई। मृतक उमेश पुरी का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी में चयन हुआ था। उसे तीन दिन बाद ही ज्वॉइन करना था। बेटे की सरकारी नौकरी लगने से पूरा परिवार खुश था, लेकिन इस हादसे में परिवार के चार सदस्यों की अकाल मौत हो गई और परिवार के चार सदस्य गंभीर घायल हो गए।

अजमेर : शादी की रंजिश में युवक का अपहरण

अजमेर, (निसं)। जिले के गेगल थाना क्षेत्र में शादी की रंजिश को लेकर युवक के अपहरण और अमानवीय यातनाएं देने का मामला सामने आया है। गगवाना क्षेत्र से दिनदहाड़े युवक का अपहरण कर उसे बीर गांव ले जाया गया, जहां आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, बाल काट दिए तथा अमानवीय यातनाएं देने का भी आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और महज 12 घंटे के भीतर महिला सहित 9 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

घटना सामने आने के बाद पीड़ित के परिजन बड़ी संख्या में गेगल थाने पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण वृत्ताधिकारी रामचंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष दल गठित किए। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. लालचंद कायल तथा ग्रामीण वृत्ताधिकारी रामचंद्र चौधरी के निर्देशन में गेगल थाना प्रभारी नरपत बाना के नेतृत्व में गेगल, नसीराबाद, श्रीनगर, जिला विशेष टीम और सायबर शाखा की संयुक्त टीमों ने कार्रवाई करते हुए 12 घंटे में 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रकाशनाथ, रविंद्रनाथ, रामलाल, हेमराजनाथ, विक्रमनाथ, देवीलाल, गौरूनाथ, शायरी और सुगना शामिल हैं।

पीड़ित जीतू ने पुलिस को बताया कि वह लकड़ी काटने का काम करता है। 16 मई की सुबह वह अपने ठेकेदार रफीक मोहम्मद के साथ गगवाना में खेत पर लकड़ी काट रहा था। इसी दौरान एक पिकअप वाहन में आए बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और जबरन वाहन में डालकर बीर गांव ले गए। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसे एक स्थान पर बंधक बनाकर रखा। आरोप है कि उसे अमानवीय यातनाएं भी दी। आरोपियों ने पीड़िता के परिजनों को फोन कर सामाजिक विवाद निपटाने के नाम पर पांच लाख रुपए की मांग भी की और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी।

परिजनों के अनुसार विवाद एक महिला के पुनर्विवाह को लेकर चल रहा था। महिला की पहले बीर गांव निवासी महेंद्र से शादी हुई थी, बाद में दोनों का तलाक हो गया। करीब पांच महीने पहले पीड़ित ने उस महिला से पुनर्विवाह कर लिया। महिला के पूर्व ससुराल पक्ष के लोग इस विवाह से नाराज थे और इसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया।

जिला पुलिस ने बताया कि मामले में प्रयुक्त वाहन जब्त कर लिए गए हैं। फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है तथा पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

अजमेर में कबाड़ गोदाम पर पेट्रोल बम से हमला

अजमेर, (निसं)। क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र के लोहागल में एक कबाड़ गोदाम पर पेट्रोल बम से हमला करने का मामला सामने आया है। देर रात हुई आगजनी में गोदाम में रखा लाखों रुपए का कबाड़ तथा एक पिकअप वाहन जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित ने करीब 20 लाख रुपए के नुकसान की बात कही है। पुलिस ने तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी अब भी फरार है।

- **पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा**

वृत्ताधिकारी शिवम जोशी ने बताया कि लोहागल निवासी असरुदीन खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 मई की रात वह गोदाम बंद कर घर चला गया था। रात करीब पौने तीन बजे बिना नंबर की एक कार में चार बदमाश वहां पहुंचे और गोदाम व पिकअप वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोगों को सूचना देने और पीड़ित के मौके पर पहुंचने तक गोदाम में रखा सामान पूरी तरह जल चुका था। पूरी घटना गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मामले की जांच के लिए विशेष पुलिस दल का गठन किया गया। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने पंचशील नगर स्थित एक आवासीय परिसर तथा घूघरा क्षेत्र में दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हितेश सोलंकी निवासी ब्यावर, अंकित वैष्णव निवासी नागौर और नरेंद्र सिंह निवासी नागौर शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस के अनुसार पीड़ित के भाई और मुख्य आरोपी के बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते गोदाम में आग लगाने की साजिश रची गई। फरार मुख्य आरोपी और अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है।

माता-पिता ने विवाहिता बेटी का अन्यत्र विवाह कराया

माण्डलगढ़, (निसं)। बीगोद थाना क्षेत्र में कथित रूप से अन्यत्र नाता विवाह कराने के दबाव में माता-पिता ने अपनी ही बेटी का सात माह का गर्भ गिरवा दिया। बेटी के पति ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ बीगोद थाने में अदालत के आदेश पर नामजद मामला दर्ज कराया है, लेकिन मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों को दो सप्ताह बाद भी नहीं पकड़ पाई हैं।

बीगोद निवासी उदयलाल कीर ने आरोप लगाया कि रेणा पुत्री शंभूलाल कीर निवासी गाडर माला हाल मुकाम सांगानेर भीलवाड़ा का नाता विवाह 26 जून 2025 को उदयलाल कीर के साथ हुआ था और विवाह के पश्चात रेणा करीब सात माह की गर्भवती थी। आरोप है कि रेणा के माता-पिता विवाह के बाद उसे लगातार उसके पति उदयलाल के खिलाफ भड़कते आ रहे थे, जिससे दोनों पति-पत्नी में आए दिन लड़ाई-झगड़ा होता था। बीते फरवरी माह में रेणा माता अनचि देवी उसके ससुराल बीगोद आई और गर्भवती बेटी को बहला फुसलाकर साथ ले गई और बेटी पर अन्यत्र नाता विवाह करने के लिए दबाव बनाने लगी। जब पीड़िता और उसके पति ने इसका विरोध किया तो कथित रूप से परिजनों ने उसका जबरन सात माह के बच्चे का गर्भपात करा दिया और ससुराल वालों ने दामाद के ख़िलाफ़ भीलवाड़ा स्थित महिला पुलिस थाने में घरेलू हिंसा का झूठा मामला दर्ज करा दिया।

इस घटना की जानकारी पति उदयलाल को लगी तो वह सांगानेर पहुंचा। इस दौरान ससुराल वालों ने दबाव बनाकर उदयलाल से राजीनामे पर एक लाख रुपए उदयलाल से लेकर रेणा का तलाक करा दिया और रेणा के गर्भ में पल रहे सात माह के बच्चे के जन्म देने के बाद पिता उदयलाल को सौंपने का स्टाम्प पेपर पर इकरारनामा लिख कर उदयलाल को दे दिया। इसके बाद पीछे से गर्भवती रेणा का जबरन गर्भपात करा कर अन्यत्र नाता विवाह माता पिता ने करा दिया। इस घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित पति उदयलाल ने बीगोद थाना, भीलवाड़ा एसपी को रिपोर्ट पेश की, लेकिन परिवादी का मामला दर्ज ही नहीं किया गया। फिर पीड़ित ने माण्डलगढ़ न्यायालय में इस्तगासे के माध्यम से बीगोद थाने में मामला दर्ज कराया हैं। पीड़ित का आरोप है कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस न तो आरोपियों तक पहुंच पाई है और न ही गर्भपात कराने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि सात माह का गर्भ गिराया जाना गंभीर अपराध है, पुलिस की धीमी कार्रवाई से आरोपियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो साक्ष्यों से छेड़छाड़ की जा सकती हैं।

पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर परिवादी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है तथा सभी पहलुओं

नाकाबंदी तोड़ भाग रहे बदमाशों का पीछा करते नवलगढ़ पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराई, कांस्टेबल की मौत

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के गोठड़ा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने समय दर्दनाक हादसे में नवलगढ़ पुलिस थाने के वाहन चालक कांस्टेबल भींवाराम निर्मल शहीद हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग व आमजन में शोक की लहर दौड़ गई। बदमाशों के पीछे लगी नवलगढ़ पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें सवार चालक कांस्टेबल भींवाराम निर्मल व नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें हाथों-हाथ नवलगढ़ जिला अस्पताल लाया गया, जहां से कांस्टेबल भींवाराम की गंभीर स्थिति देखते हुए सीकर रैफर किया गया। लेकिन सीकर अस्पताल में पहुंचने के कुछ देर बाद ही भींवाराम का निधन हो गया। नवलगढ़ सीआई अजय सिंह को भी गंभीर चोटें आई। उनके बाएं हाथ की कोहनी व कंधे के बीच की हड्डी में दो बड़े फ्रेक्चर हो गए। कच्चा प्लास्टर करने के बाद सीआई अजय सिंह को भी सीकर रैफर किया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद ऑपरेशन के लिए भर्ती किया।

जानकारी के अनुसार नवलगढ़ पुलिस को सीकर के दादिया थाना से सूचना मिली कि एक काले रंग की थार गाड़ी में सवार बदमाश नाकाबंदी तोड़कर नवलगढ़ की तरफ भागे हैं। सूचना मिलने ही नवलगढ़ पुलिस ने कृषि उपज मंडी के पास हाइवे पर बेरिकेड लगाए। उस समय थाने की गाड़ी में सीआई अजय सिंह व चालक भींवाराम मौके पर थे। बेरिकेड देखकर एक बार तो बदमाश दूसरी तरफ खेतों की ओर जाने वाली सड़क पर भागे। पुलिस ने पीछा किया तो वापस घूमकर नाकाबंदी तोड़ते हुए गोठड़ा रोड पकड़ी। जिस पर सुबह 5.34 बजे गोठड़ा थाने पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही गोठड़ा पुलिस थाने के पास मेन रोड पर बेरिकेड लगाए व रास्ते में एक ट्रेलर भी खड़ा कर दिया गया। बदमाश गाड़ी लेकर आए भी लेकिन बेरिकेड देखकर वापस गाड़ी घुमाकर गोठड़ा गांव में से होकर जा रही पुजारी की ढाणी कोलसिया रोड पर अपनी गाड़ी दौड़ाई। बदमाशों की गाड़ी के पीछे गोठड़ा थाने की 112 गाड़ी, दूसरी गाड़ी में गोठड़ा थानाधिकारी तथा तीसरी गाड़ी में पीछे से आ रहे नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई अजय सिंह भी पीछा कर रहे थे। इसी दौरान पुजारी की ढाणी के पास रास्ते के मोड़ में नवलगढ़ थाने की गाड़ी पेड़ से टकरा गई। इसी दौरान बदमाशों की गाड़ी रास्ता भटककर पुजारी की ढाणी क्षेत्र के कंकेड़ जोहड़ में जाकर आगे रास्ता नहीं होने के कारण फंस गई। इसी दौरान ग्रामीणों ने दौड़कर गाड़ी में सवार तीन बदमाशों को दबोच लिया और पीछे से आई पुलिस के हवाले किया। ग्रामीणों ने बताया कि इसी दौरान एक बदमाश मौके से फरार हो गया। सूत्रों के अनुसार इन पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एक बदमाश पिलानी निवासी व दूसरा चूरू जिले के हमीरवास थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही झुंझुनूं एसपी कावेंद्र सिंह सागर व नवलगढ़ वृत्ताधिकारी एएसपी महावीर सिंह शेखावत नवलगढ़ जिला अस्पताल पहुंचे। जहां घायलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। एसपी के पहुंचने से पहले कांस्टेबल भींवाराम को सीकर रैफर कर दिया गया था व सीआई अजय सिंह नवलगढ़ में इलाज करवा रहे थे। दुर्घटना में घायल नवलगढ़ थाना अधिकारी सीआई अजय सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद सीकर रैफर किया गया। सीकर के अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उनके हाथ के ऑपरेशन के लिए भर्ती कर लिया, लेकिन भींवाराम के निधन की सूचना मिलते ही सीआई अजय सिंह अपने आपको रोक नहीं पाए और नवलगढ़ थाने पर पहुंचे। जहां भींवाराम की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इसके बाद भींवाराम के गांव भोड़की पहुंचकर उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। इस संपूर्ण घटनाक्रम में दुर्घटनाग्रस्त नवलगढ़ पुलिस थाने की गाड़ी व बदमाशों की काले रंग की हरियाणा नंबर की थार गाड़ी को जब्त करके गोठड़ा पुलिस थाने पर लाया गया।

पुलिस अधिकारियों ने हादसे में घायल सीआई की अस्पताल जाकर कुशलक्षेम पूछी।

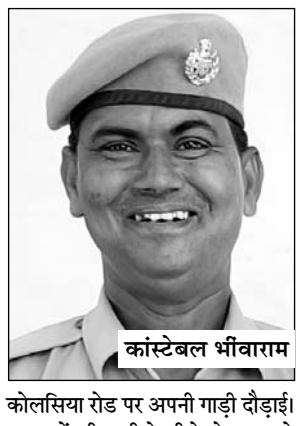

कांस्टेबल भींवाराम

- **नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें नवलगढ़ जिला अस्पताल लाया गया**
- **पुलिस के आगे भाग रहे बदमाशों को ग्रामीणों ने दबोचकर दो को पुलिस के हवाले किया, एक फरार होने की सूचना**

नरेन गेंद और बल्ले, दोनों से ही एक जबरदस्त मैच विनर खिलाड़ी हैं। आईपीएल में कई बेहतरीन खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन यह खिलाड़ी हमेशा सबसे अलग नजर आता है। मेरी नजर में वह इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। -अंबाती रायडू

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सुनील नरेन की गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जाबी अलोंसो

स्पेन के पूर्व मिडफील्डर ज़ाबी अलोंसो अब चेल्सी के नए मैनेजर होंगे, जिसके लिए चार साल का करार तय हुआ है। बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता के बाद रियल मैड्रिड में एक संक्षिप्त कार्यकाल बिताने वाले अलोंसो के लिए यह एक नई शुरुआत होगी, जहाँ क्लब उनके अनुशासित दृष्टिकोण से टीम को फिर से मजबूत बनाने की उम्मीद कर रहा है। ज़ाबी अलोंसो का कोचिंग करियर पिछले कुछ वर्षों में काफी चर्चा में रहा हैं। उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता हासिल की थी। अलोंसो की कोचिंग में टीम ने 2023-24 सत्र में बुंडेसलीगा खिताब जीता था।

क्या आप जानते हैं ?... गुरप्रीत सिंह संधू को वर्तमान समय का सबसे सफल भारतीय गोलकीपर माना जाता है।

राजस्थान की हार की हैट्रिक, दिल्ली ने 5 विकेट से जीता मैच

राहुल-अभिषेक ने लगाए अर्धशतक

नई दिल्ली, 17 मई। दिल्ली ने अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान को केएल राहुल और अभिषेक पोरेल की अर्धशतकीय पारी साथ ही मिचेल स्टार्क के फोर विकेट हॉल की मदद से राजस्थान को 5 विकेट से हरा दिया। दिल्ली के लिए जीत का छक्का आशुतोष शर्मा ने लगाया। ये राजस्थान की लगातार तीसरी हार रही। इस हार के बाद राजस्थान के प्लेऑफ में पहुंचने का इंतजार लंबा हो गया तो वहीं दिल्ली की उम्मीद अभी कायम है।

आईपीएल 2026 के 62वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में मैच खेला गया। इस मुकाबले में दिल्ली ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला किया। राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 193 रन बनाए और दिल्ली को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य दिया।

वैभव ने खेली 46 रन की पारी, रियान-ध्रुव के अर्धशतक

राजस्थान के ओपनर वैभव ने दिल्ली के खिलाफ 46 रन की पारी खेली जबकि यशस्वी जायसवाल ने 12 रन की पारी खेली। कप्तान रियान पराग ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 51 रन बनाकर आउट हुए। रविं सिंह 4 रन बनाकर आउट हुए जबकि डोनोवन फरेरा अपना खाता भी नहीं खोल पाए। शुभम दुबे ने टीम के लिए सिर्फ 5 रन की पारी खेली जबकि दासुन शनाका ने 10 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 36 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 53 रन बनाकर आउट हो गए। मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए जबकि लुंगी एनगिडी और माधव तिवारी को 2-2 सफलता मिली।

अभिषेक-केएल राहुल ने लगाए अर्धशतक

दिल्ली के ओपनर अभिषेश पोरेल ने 29 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 51 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल ने 34 गेंदों पर राजस्थान के खिलाफ अर्धशतक लगाया और 56 रन की पारी खेलकर आउट हुए। साहिल परख 9 रन बनाकर आउट हो गए तो वहीं ट्रिस्टन स्टब्स 4 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। डेविड मिलर ने 5 रन बनाए और कैच आउट हुए।

ना इंजरी ना अनफिट फिर भी रविंद्र जडेजा हुए मैच से बाहर

नई दिल्ली, 17 मई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा है कि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविंद्र जडेजा को आराम दिया गया है। राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने टॉस के दौरान बताया कि रविंद्र जडेजा की जगह राजस्थान ने रवि सिंह को मौका दिया है। दिल्ली के लिए त्रिपुराना विजय डेब्यू मैच खेल रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मैच में रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

वैभव सूर्यवंशी बन गए भारत के नए सिक्सर किंग

नई दिल्ली, 17 मई। रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में छक्कों का एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। वह आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इस तरह वह अब भारत के लिए आईपीएल के नए सिक्सर किंग हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड उन्होंने तोड़ दिया है। वैभव के पास और भी आगे निकलने का मौका हैं।

आईपीएल के एक सीजन में भारतीय बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड अभी तक अभिषेक शर्मा के नाम दर्ज था, जो उन्होंने 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए बनाया था। अब वैभव सूर्यवंशी ने यह रिकॉर्ड धराशायी कर दिया है।

अभिषेक शर्मा ने एसआरएच के लिए 2024 में कुल 42 छक्के जड़े थे, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने जैसे ही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में तीसरा छक्का अपनी पारी में लगाया, वैसे ही अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड टूट गया।

आईपीएल : धर्मशाला में आरसीबी की धमाकेदार जीत, पंजाब की लगातार छठी हार

धर्मशाला, 17 मई। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब को उनके ही घर पर 23 रनों से मात दी है। धर्मशाला में पंजाब किंग्स इलेवन की यह लगातार तीसरी और इस सीजन में लगातार छठी हार है। इस हार के साथ ही पंजाब के प्लेऑफ में पंहुचने की उम्मीदें भी न के बराबर रह गई हैं।

धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की शानदार ऑलराउंड परफॉर्मेंस के चलते आरसीबी ने जीत हासिल कर टेबल पॉइंट में अपनी टॉप पोजिशन बरकरार रखी है। वहीं प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। उधर 223 रनों के लक्ष्य को लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट में 199 रन ही बना पाई। इस तरह आरसीबी ने यह मैच 23 रनों से जीतकर अपनी झोली में डाल लिया।

223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों ओपनर जल्दी आउट हो गए। ओपनर प्रियांश आर्य शून्य पर जबकि प्रभसिमरन सिंह महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। पंजाब की ओर से शशांक सिंह ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक लगाया। शशांक ने 27 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्कों के साथ 56 रन बनाए। इसके अलावा कूपर कनोली ने 22 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्कों के साथ 37 रन बनाए। मारकस स्टाइनिस ने 25 गेंदों में 37 और सूर्यांश शेडगे ने 22 गेंदों पर 35 रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर कुछ खास नही कर पाए और महज एक रन बनाकर आउट हो गए। अजमातुल्लाह ओमारजाई ने 10 गेंदों पर 14 रन बनाए।

गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से आर सालम ने 3 विकेट आने नाम किये। इसके अलावा ऐसा सीजन में सबसे ज़्यादा विकेट टेकर भुवनेश्वर कुमार ने दो तथा जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड ने एक-एक विकेट लिए।

उधर इससे पूर्व पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने पंजाब को जीत के लिए 223 रनों का लक्ष्य दिया था। आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट पर 222 रनों के स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की ओर से इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में टीम में शामिल वेंकटेश अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 73 रनों की नाबाद पारी खेलकर आरसीबी को एक बड़े स्कोर की तरफ ले गए। उन्होंने 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 73 रन बनाए। वहीं इससे पूर्व ओपनर विराट कोहली ने भी अपना अर्धशतक बनाया। कोहली ने 37 गेंदों में 4 चौकों और 3 छक्कों के साथ 58 रन बनाए। जबकि उनके साथ तीसरे नम्बर पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडीकल ने भी 25 गेंदों में शानदार 45 रन बनाए। पडीकल ने इस पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद बल्लेबाज टिम डेविड और वेंकटेश अय्यर की शानदार साझेदारी के चलते आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में 222 रन का स्कोर खड़ा किया। टिम डेविड ने भी 12 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों के साथ नाबाद 28 रन बनाकर आरसीबी को 222 तक पंहुचाने में अहम भूमिका निभाई।

ग्रीष्मकालीन फुटबॉल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप 2026 का शुभारंभ

जयपुर, 17 मई । रविवार प्रातः 6:00 बजे जयपुर के रामनिवास बाग स्थित देश के प्राचीन यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (ट्रस्ट) द्वारा आयोजित एक माह के ग्रीष्मकालीन स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप 2026 का शुभारंभ क्लब सचिव महिपाल स्वामी के कर-कमलों द्वारा किया गया।

कैंप के आयोजक एवं क्लब समन्वयक अभिनव स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब द्वारा प्रतिवर्ष इस एक माह के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें बालक एवं बालिकाओं को फुटबॉल, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग, पावरलिफ्टिंग, योग आदि खेलों का प्रशिक्षण अधिकृत एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाता है। यह एक प्रमाणित प्रशिक्षण शिविर है, जिसका उद्देश्य बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक विकास को भी सुदृढ़ करना है। कैंप के दौरान प्रतिभागियों को पौष्टिक आहार के रूप में दूध, अंकुरित चने, सोयाबीन एवं केले उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

अल-नस्त्र को एशियाई फाइनल में बड़ा झटका, रोनाल्डो का खिताब जीतने का सपना चकनाचूर

नई दिल्ली , 17 मई । क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी अरब में बड़ा खिताब जीतने का इंतजार खत्म होता नही दिख रहा है। एशियाई चैंपियंस लीग टू के फाइनल मुकाबले में अल-नस्त्र को जापान के गाम्बा ओसाका के खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा हैं। इस हार के बाद रोनाल्डो और उनकी टीम के लिए यह सप्ताह काफी निराशाजनक साबित हुआ है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा लेकिन गाम्बा ओसाका ने अनुशासित खेल और मजबूत रक्षा के दम पर मुकाबला अपने नाम कर लिया हैं। जापानी क्लब के लिए तुर्की के फारवर्ड डेनिज हम्मत ने पहले हाफ में मैच का एकमात्र गोल दागा, जिसने आखिर तक टीम को जीत दिलाई।

गौरतलब है कि अल-नस्त्र ने पूरे मुकाबले में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और गोल करने के कई प्रयास भी किए, लेकिन टीम अपने मौकों को गोल में बदलने में सफल नहीं हो सकी हैं। मैच के 30वें मिनट में डेनिज हम्मत ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार नीचा शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचा दिया था। शुरुआत में ऑफसाइड को लेकर वीडियो सहायक रेफरी से जांच हुई, लेकिन बाद में गोल को मान्य कर दिया गया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी बराबरी का गोल करने की पूरी कोशिश की थी। पहले हाफ के अंत में जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर रोनाल्डो का हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया। वहीं दूसरे हाफ में जोआओ फेलिक्स का तेज शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अल-नस्त्र की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

बताया जा रहा है कि मैच खत्म होने के बाद रोनाल्डो काफी निराश दिखाई दिए और उन्होंने उपविजेता पदक लेने से भी इनकार कर दिया हैं। यह हार इसलिए भी ज्यादा दर्दनाक मानी जा रही है क्योंकि कुछ दिन पहले ही सऊदी प्रो लीग में अल-नस्त्र जीत के बेहद करीब पहुंच गया था, लेकिन अंतिम समय में गोल खाकर टीम की बढ़त कमजोर पड़ गई थी। डेनिज हम्मत, जिन्होंने विजयी गोल किया, मैच के बाद काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि टीम के लिए गोल करना उनके लिए गर्व की बात है और अब खिलाड़ी इस जीत का जश्न मनाना चाहते हैं। हालांकि चोट के कारण उन्हें हाफ टाइम के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

बता दें कि दिसंबर 2022 में अल-नस्त्र से जुड़ने के बाद से रोनाल्डो अब तक क्लब के साथ कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं जीत सके हैं। हालांकि टीम के पास अभी भी सऊदी प्रो लीग जीतने का मौका बना हुआ हैं। अल-नस्त्र फिलहाल अल-हिलाल से दो अंक आगे चल रहा है और गुरुवार को दमाक के खिलाफ होने वाला मुकाबला खिताब का फैसला कर सकता हैं। फुटबॉल जानकारों का मानना है कि अल-नस्त्र के पास स्टार खिलाड़ियों की कमी नहीं है, लेकिन बड़े मुकाबलों में टीम दबाव झेलने में संघर्ष करती दिखाई दी है।

आईपीएल 2026 में शुभमन गिल का बड़ा धमाका

कप्तान रहते हुए एक से ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाए

नई दिल्ली, 17 मई । कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बावजूद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया हैं। ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में शुभमन गिल ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए 49 गेंदों में 85 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने पांच चौके और सात लंबे छक्के लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 173.47 का रहा है। बता दें कि इस पारी के साथ शुभमन गिल अब उन चुनिंदा कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तान रहते हुए एक से ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाए हैं। इस सूची में पहले से डेविड वॉर्नर, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर और केएल राहुल जैसे बड़े नाम शामिल रहे है।

धर्मशाला में आईपीएल का 'महंगा रोमांच' 45 हजार तक बिके टिकट, आम दर्शक रह गए बाहर

धर्मशाला, 17 मई । आईपीएल मैचों के इस सीजन में जितना बड़ा मैच, उतनी ही बड़ी जेब दर्शकों को ढीली करनी पड़ रही है। धर्मशाला में आईपीएल मैचों के टिकटों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का असर अब साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। रविवार को पंजाब किंग्स और आरसीबी के मुकाबले में एक ओर जहां कई दर्शक महंगे टिकटों व टिकट न मिलने के कारण स्टेडियम पहुंचने में नाकाम रहे। वहीं दूसरी ओर मैच की एक पारी समाप्त होने के बाद भी 45 हजार रुपये तक के टिकट ऑनलाइन बिकते रहे। क्लब लॉज का जो टिकट 22 हजार 500 रुपये तक रहता है, इस मैच में दोगुना से अधिक 45 हजार दामों में बेचा गया। क्रिकेट प्रेमियों ने इसे आम दर्शकों की पहुंच से बाहर बताया।

इस बार एचपीसीए स्टेडियम में टिकटों के दामों में पिछले सीजन की तुलना में दोगुनी से अधिक बढ़ोतरी की गई है। पिछले वर्ष जिन टिकटों की कीमत 1200 से 1500 रुपये थी, वही टिकट अब चार से पांच हजार रुपये तक पहुंच गई हैं। वहीं क्लब लॉज के टिकट 22 हजार 500 रुपये से बढ़ाकर सीधे 45 हजार रुपये कर दिए गए हैं। जबकि अन्य टिकटें पांच हजार, सात हजार, आठ हजार, नौ हजार, 12 हजार, 15 हजार, 22 हजार, 30 हजार व सभी दोगुने दामों में बेची गई। क्रिकेट प्रेमियों का कहना है कि इतनी महंगी टिकटों के कारण परिवार के साथ मैच देखना मुश्किल हो गया है। कई लोगों ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू होते ही दाम देखकर टिकट लेने का विचार छोड़ दिया। वहीं कई लोग टिकट को लेकर काफी मेहनत करते दिखे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिल पाए।

थाईलैंड ओपन का खिताब जीतने से चूके सात्विक-चिराग

बैंकॉक, 17 मई । बैंकॉक में आयोजित थाईलैंड ओपन 2026 सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी खिताब जीतने से चूक गई। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया की डेनियल मार्थिन और लियो कार्नांडो की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को सीधे गेमों में 21-12, 25-23 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

बैंकॉक के निमिबुत्र स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया। मार्थिन और कार्नांडो ने तेज रफ्तार और सटीक खेल के दम पर भारतीय जोड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। पहले गेम में सात्विक और चिराग कई मौकों पर लय में नजर नहीं आए और गलतियों का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए पहला गेम 21-12 से आसानी से जीत लिया।

वर्ल्ड रैंकिंग में चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में वापसी की। सात्विक और चिराग ने बेहतर तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया। दोनों जोड़ियों के बीच अंक दर अंक कड़ी टक्कर देखने को मिली। भारतीय जोड़ी ने कुछ समय के लिए बढ़त भी हासिल की, लेकिन निर्णायक क्षणों में इंडोनेशियाई जोड़ी ने संयम बनाए रखा। अंततः मार्थिन और कार्नांडो ने 25-23 से दूसरा गेम जीतकर मैच और खिताब दोनों अपने नाम कर लिए।

भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इज्जुद्दीन को 19-21, 22-20, 21-16 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें निराशा हाथ लगी और उनका खिताब का इंतजार जारी है।

सात्विक और चिराग ने दो साल से कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब नहीं जीता है। उनका आखिरी खिताब भी 2024 में थाईलैंड ओपन सुपर 500 में आया था।

मुश्किल नतीजा रहा- बीएआईभारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। बीएआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि थाईलैंड में दूसरा स्थान। लड़कों के लिए यह एक मुश्किल नतीजा रहा, बावजूद इसके उन्होंने अपना सब कुछ झोंक दिया था। अब समय है कि हम सकारात्मक बातों पर ध्यान दें तथा और भी मजबूती से वापसी करें।

राजस्थान जिम्नास्टिक्स संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 17 मई। जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया के पर्यवेक्षक ओ पी रानोट, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के पर्यवेक्षक, वाई बी सिंह तथा राजस्थान ऑलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक चन्द्र प्रकाश जोशी के पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में कोटा में सम्पन्न हुए, राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के निर्वाचित पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य इस प्रकार है।

अध्यक्ष चैनसिंह राठौड, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह भाटी, अनुराग आर्य, हिम्मत सिंह चौहान व कैलाश मूंदडा, सचिव परमेश्वर प्रजापत, कोषाध्यक्ष सुधीश कुमार शर्मा, सचिव हितेश मुदगल, अरविन्द पराशर, राधाकिशन बैरवा, हरपाल सिंह व डॉ. भरत सिंह, सदस्य प्रदीप सिंह पंवार, डॉ. शक्ति सिंह रावलोत, जितेन्द्र सिंह चौहान, हरिसिंह राठौड, डॉ. डिम्पल सोलंकी व भंवरलाल गौरी।

डॉ शक्ति सिंह रावलोत, सचिव, जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर ने बताया कि परमेश्वर प्रजापत पिछले तीन दशकों से जिम्नास्टिक्स से जुड़े हुए तथा राष्ट्रीय स्तर पर कार्यालय सचिव व कार्यकारिणी सदस्य आदि पदों को सुशोभित कर चुके हैं एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कॉमनवेल्थ गेम्स2010, सेन्ट्रल साउथ एशियन चैम्पियनशीप, एशियाई आर्टिस्टिस व रिद्मिक चैम्पियनशीप आदि में भाग ले चुके हैं।

राजस्थान को मेघालय ने 3-0 से हराया

जयपुर, 17 मई । स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरुष अण्डर 20 फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन नारायणपुर छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। ग्रुप के अपने पहले मुकाबले में राजस्थान ने आंध्र प्रदेश को एक कड़े मुकाबले में 2-0 से परास्त किया । दूसरा मुकाबला राजस्थान का झारखंड से 13 मई को खेला गया जिसमें 2-1 से पराजित हुए । तीसरा मुकाबला राजस्थान का 15 मई को बिहार से खेला गया जो कि 1-1 की बराबरी पर रहा । चौथा आज खेले गए आखिरी मुकाबले में मेघालय ने अपने खेल अनुभव से राजस्थान को 3-0 से पराजित किया। राजस्थान अपने ठ्ुप में 4 अंकों के साथ ग्रुप से बाहर हो गया । राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल व सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने खिलाड़ियों व परीक्षकों का हौसला अफजाई किया आने वाले वर्षों में ग्रास रूट पर जो कार्य किया जा रहा है उससे अच्छे परिणाम आ रहे है जो आने वाले वर्षों में राजस्थान को पदक की तरफ़ ले जाने का कार्य करेंगे ।

पंत पर गिरेगी गाज? भारतीय टीम की टेस्ट उप-कप्तानी से छुट्टी लगभग तय!

नई दिल्ली , 17 मई । राष्ट्रीय चयनकर्ता जब अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम चुनने के लिए मंगलवार को गुवाहाटी में बैठक करेंगे तो भारतीय टीम में हैरान करने वाले नाम नहीं होंगे लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में उप कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत के भविष्य पर गंभीर चर्चा हो सकती है। ऐसा समझा जाता है कि यह भावना बढ़ रही है कि 28 साल के इस तेजतर्रार विकेटकीपर बल्लेबाज को नेतृत्वकर्ता की भूमिका रास नहीं आ रही है। आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ दो सत्र से ऐसे ही संकेत मिलते हैं।

यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पिछले नवंबर में गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में जब पंत को कप्तानी सौंपी गई थी तो वह रणनीतिक तौर पर बहुत चतुर नहीं थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''भारतीय क्रिकेट ऋषभ जैसे बल्ले से मैच विजेता को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टेस्ट मैच जिताए हैं।

इनाया बनी रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 चैंपियन

जयपुर, 17 मई । 14 वर्षीय प्रतिभाशाली टीम लीडर इनाया ख़ान ने अमेरिका के मिशिगन राज्य के साउथफील्ड स्थित लॉरेंस टेक्निकल यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतिष्ठित रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर बिल्डिंग ब्रिजेज डिवीजन में प्रथम स्थान प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

इनाया ख़ान ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भूटान का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी टीम का आत्मविश्वास, उत्कृष्टता और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के साथ सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। विश्व के कई अग्रणी देशों को पीछे संभाले हुए उनकी टीम ने यह ऐतिहासिक विजय दर्ज की।

यह उपलब्धि न केवल भूटान, बल्कि भारत के लिए भी अत्यंत गर्व का विषय है। इतनी कम उम्र में विश्वस्तरीय मंच पर विजय प्राप्त कर इनाया ख़ान ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत इरादे, कड़ी मेहनत और बड़े सपने किसी भी लक्ष्य को साकार कर सकते हैं।

उनकी यह सफलता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। आज इनाया ख़ान भारत और भूटान- दोनों देशों के लिए आशा, सम्मान और नई पहचान का प्रतीक बन चुकी हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इनाया ख़ान ने भारत की संस्कृति और मूल्यों को जागरूक करते हुए तथा करोड़ों का प्रतिनिधित्व करते हुए जो सफलता अर्जित की है, वह आने वाले समय में दोनों देशों के युवाओं को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी विभाग कर चोरी करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करें-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राजस्व अर्जन वाले विभागों की समीक्षा बैठक ली व निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए

■ समीक्षा बैठक में बताया गया कि अप्रेल 2026 में 11 हजार 235 करोड़ रूपए की कुल राजस्व प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष अप्रेल माह की तुलना में 15.71 प्रतिशत अधिक है।

जयपुर, 17 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के समग्र विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राजस्व संग्रहण प्रक्रिया को अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के राजस्व अर्जन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्ययोजना के अनुरूप कार्य करने तथा नवाचार एवं तकनीक अपनाने के लिए भी निर्देशित किया है।

मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सभी विभागों को कर चोरी करने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, कार्ययोजना बनाकर राजस्व से संबंधित केसों के पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने मुख्य सचिव को राजस्व प्राप्ति प्रक्रिया की निरंतर मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण में वृद्धि के लिए नगरीय विकास एवं आवासन विभाग विशेष कार्ययोजना बनाकर काम करें। उन्होंने वाणिज्यिक कर विभाग को ऑडिट केसों की समीक्षा करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने खान विभाग को राजस्व वृद्धि के लिए अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने, गाड़ियों में जीपीएस इंस्टॉलेशन कार्य में तेजी लाने तथा बंद पड़ी खानों को नीलाम करने के निर्देश दिये।

उन्होंने आबकारी विभाग को पिछले वर्षों की बकाया वसूली में तेजी लाने तथा अवैध शराब पर ठोस कार्रवाई के लिए मुखबिरों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग को ऑनलाइन ई-पंजीयन प्रक्रिया को बढ़ावा देकर राजस्व अर्जन में वृद्धि करने तथा डीआईजी कार्यालयों में प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि अप्रेल 2026 में 11 हजार 235 करोड़ रुपये की कुल राजस्व प्राप्ति हुई है, जो कि पिछले वर्ष अप्रेल माह की तुलना में 15.71 प्रतिशत अधिक है।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन टी. रविकान्त, प्रमुख शासन सचिव परिवहन भवानी सिंह देथा, शासन सचिव श्रम पूर्ण चन्द्र किशन, आयुक्त वाणिज्यिक कर आनन्दी, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कुमार पाल गौतम, आयुक्त आबकारी नमित मेहता, आयुक्त परिवहन पुरुषोतम शर्मा, महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक शरद मेहरा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना के थर्मल पावर स्टेशन में आग लगी, कोई जन-हानि नहीं

हैदराबाद, 17 मई। राज्य के नलगोंडा स्थित यादाद्री अल्ट्रा मेगा थर्मल पावर स्टेशन में भीषण आग लग गई। इसमें अभी तक किसी जानहानि की सूचना नहीं है। कर्मचारियों की सतर्कता से आग पर काबू पा लिया गया है।तेलंगाना पावर जेनेरेशन कार्पोरेशन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

बताया गया कि रविवार को यादद्री अल्ट्रा मेगा थर्मल पावर स्टेशन (वाईएटीपी) के संयंत्र में यूनिट 3 के स्थान पर टरबाइन-चालित बॉयलर फीड पंप के पास आग भड़की थी। आग लगते ही संयंत्र में काम कर रहे कर्मचारी और अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए वहां से भाग निकले। हालांकि, संयंत्र के कर्मचारियों की सतर्कता से आग पर काबू पा लेने के कारण टरबाइन और बॉयलर सहित मुख्य उपकरण आग की चपेट में आने से बच गए।

प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि पंप में लुब्रिकेशन ऑयल के रिसाव के कारण आग लगी थी। तेल रिसाव के कारण संयंत्र क्षेत्र में घना धुआं फैल गया।

कोलकाता में सरकार की ''बुलडोज़र कार्यवाही'' के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों के पथराव में तीन पुलिसकर्मी घायल, कई वाहन क्षतिग्रस्त

■ कोलकाता के तिलजला क्षेत्र की फैक्ट्री में आग से दो लोगों की मृत्यु के बाद प.बंगाल सरकार ने गत बुधवार को उस क्षेत्र में अवैध ढांचों को गिराने के लिए ''बुलडोज़र'' कार्यवाही की थी।

कोलकाता, 17 मई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि कोलकाता के तिलजला में हाल ही में हुई 'बुलडोजर कार्रवाई' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। पार्क सर्कस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया, जिसमें कम से कम तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई वाहनों को नुकसान पहुंचा।

तिलजला में एक फैक्टरी में आग लगने की घटना में दो लोगों की मौत के बाद बंगाल सरकार ने पिछले बुधवार को इलाके में अवैध ढांचों को गिराने के लिए 'बुलडोजर कार्रवाई' की थी।

अधिकारियों के मुताबिक, "अतिक्रमण हटाओ" अभियान के विरोध में लोग पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रासिंग के पास इकट्ठा हुए और सड़कों को अवरुद्ध करने की कोशिश की। जब पुलिस ने गैरकानूनी रूप से जुटी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की, तो उसमें शामिल कुछ लोग पथराव करने लगे, जिससे इलाके में अराजकता फैल गई।

पथराव के दौरान सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें केन्द्रीय बलों को ले जाने वाले वाहन भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद बड़ी संख्या में कोलकाता पुलिस और केन्द्रीय बलों के जवानों को इलाके में तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने हालात को और बिगड़ने से रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तिलजला और आसपास के इलाकों में गश्त लगाई।

कोलकाता पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त आशीष बिस्वास ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बिस्वास ने कहा कि हिंसा के सिलसिले में हमने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि उन्होंने संख्या नहीं बताई।

नीट पेपर लीक की आरोपी मनीषा मंधारे को सीबीआई हिरासत में भेजा

एनटीए की पेपर सेट करने के पैनल की सदस्य मनीषा मथुरा के होटल में पकड़ी गई

■ मनीषा मंधारे नीट पेपर लीक मामले की नौवीं आरोपी है। उस पर केमिस्ट्री टीचर पीवी राव और मनीषा वाघमारे के साथ नीट परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप है।

नई दिल्ली, 17 मई। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार एक और आरोपित मनीषा मंधारे को 14 दिनों की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया है। स्पेशल जज कोलेट रश्मि कुजूर ने उन्हें 14 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

नीट पेपर लीक मामले में मनीषा मंधारे नौवीं आरोपी हैं। मनीषा मंधारे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से प्रश्न पत्र सेट करने वाले पैनल में थी। मनीषा को उत्तर प्रदेश में मथुरा के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। मनीषा मंधारे पर आरोप है कि उसने नीट पेपर प्रश्न पत्र को लीक करने के लिए केमिस्ट्री टीचर पीवी राव और मनीषा वाघमारे के साथ साजिश रची। पीवी राव और मनीषा वाघमारे को कोर्ट ने 16 मई को 10 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था।

इसके पहले कोर्ट ने 15 मई को धनंजय लोखंडे को 6 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था। आरोप है कि मनीषा वाघमारे ने धनंजय लोखंडे को नीट के प्रश्न पत्र दिए। बाद में धनंजय लोखंडे ने शुभम खैरवार को प्रश्नपत्र दिए। कोर्ट ने 14 मई को पांच आरोपियों को सात दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था। 14 मई को कोर्ट ने जिन पांच आरोपियों को सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया था, उनमें नासिक के शुभम खैरनार, जयपुर के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल और गुरुग्राम से यश यादव शामिल हैं। शुभम खैरनार को 13 मई को मुंबई से गिरफ्तार किया गया था, जहां से उसे दो दिनों की ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया था। शुभम खैरनार महाराष्ट्र के नासिक का रहने वाला है।

सीबीआई के मुताबिक 3 मई को नीट की परीक्षा के पहले ही प्रश्न पत्र पीडीएफ फॉर्मेट में व्हाट्सऐप और टेलिग्राम के जरिये सर्कुलेट कर दिया गया। इस मामले में एनटीए के उच्च शिक्षा विभाग के डायरेक्टर वरुण भारद्वाज की शिकायत पर सीबीआई ने 12 मई को एफआईआर दर्ज की थी।

दो बार नीट प्रश्न पत्र लीक हुआ, शिक्षा मंत्री को क्यों नहीं हटाते- राहुल गांधी

उन्होंने कहा, दोनों बार जाँच सीबीआई को सौंपी गई किन्तु शिक्षा मंत्री पर कार्यवाही नहीं हुई

■ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हर बार जाँच एजेंसियों और समितियों के गठन के बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं हो पा रहा।

नई दिल्ली, 17 मई। नीट-यूजी परीक्षा पत्र लीक मामले को लेकर सियासी विवाद लगातार गहराता जा रहा है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनका इस्तीफा मांगा है।

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2024 और 2026 दोनों में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ, लेकिन शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार जांच एजेंसियों और समितियों के गठन के बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं हो पा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि वर्ष 2024 में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ था, परीक्षा रद्द नहीं हुई, मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया और मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी गई थी। वर्ष 2026 में भी परीक्षा पत्र लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी, फिर से सीबीआई जांच कर रही है और एक अन्य समिति गठित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं, इस मुद्दे पर सरकार चुप क्यों है और लगातार विफल हो रहे शिक्षा मंत्री को पद से क्यों नहीं हटाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी। परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा रद्द कर दी थी।

इसके बाद केन्द्र सरकार ने मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी। जांच एजेंसी ने मामले में अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारी की है। जांच में प्रश्नपत्र लीक, अभ्यर्थियों से धन वसूली और विशेष कोचिंग सत्रों के माध्यम से प्रश्न उपलब्ध कराने जैसे आरोपों की पड़ताल की जा रही है।

राष्ट्रपति 25 मई को पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी

नई दिल्ली, 17 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 25 मई को 2026 के पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले पहले नागरिक अलंकरण समारोह में पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्रदान करेंगी।

इस वर्ष भारत सरकार ने कुल 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की है, जिनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं। इनमें 19 महिलाएं हैं, जबकि 16 व्यक्तियों को मरणोपरांत सम्मान दिया जाएगा।

■ इस बार 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण तथा 113 पद्म श्री सम्मान दिए जाएंगे।

पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं। इन्हें वर्ष 1954 में शुरू किया गया था। ये हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाते हैं और कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, सार्वजनिक जीवन तथा व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं।

रविवार को यूक्रेन ने रूस पर बड़ा ड्रोन हमला किया

■ मॉस्को के पास खिमकी शहर व पोगोरेलकी गाँव में ड्रोन हमले से तीन लोगों की मौत

कीव, 17 मई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच रविवार को यूक्रेन ने रूस पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में मॉस्को के आसपास कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। इसे युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर किए गए सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित खिमकी शहर में एक ड्रोन रिहायशी मकान से टकरा गया, जिससे एक महिला की मौत हो गई। वहीं राजधानी से करीब 10 किलोमीटर दूर पोगोरेलकी गांव में दो लोगों की जान चली गई।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, हमले में कई बहुमंजिला इमारतों और अहम ढांचों को नुकसान पहुंचा है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि शहर के ऑयल रिफाइनरी इलाके के पास हुए हमले में कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि रिफाइनरी की मुख्य तकनीकी व्यवस्था को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी एयर डिफेंस प्रणाली ने रातभर में 556 ड्रोन नष्ट कर दिए। वहीं पिछले 24 घंटों में 1000 से अधिक ड्रोन को मार गिराने या जाम करने का दावा भी किया गया है। समाचार एजेंसी टीएएसएस के अनुसार, मॉस्को की ओर बढ़ रहे 81 ड्रोन को भी रूसी सुरक्षा बलों ने रास्ते में ही रोक दिया।

रूस के सबसे बड़े एयरपोर्ट शेरमेत्येवो ने बताया कि ड्रोन का मलबा एयरपोर्ट परिसर में गिरा, लेकिन इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। उधर यूक्रेन ने दावा किया कि रूस ने भी रातभर में 287 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से अधिकांश को मार गिराया गया। यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, ड्नीप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में कई रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं और कम से कम 8 लोग घायल हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 38 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का अध्यादेश जारी।

में न्यायाधीशों की कुल स्वीकृत संख्या अब 34 से बढ़ कर 38 हो गई है। इस कुल संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। कानूनविदों का मानना है कि जजों की संख्या बढ़ने से अदालती कार्यवाही में तेजी आएगी। इसके साथ ही देश के नागरिकों को न्याय मिलने में होने वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट में पिछले कुछ समय से मुकदमों की संख्या में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। मामलों के त्वरित निपटारे के लिए लंबे समय से जजों की संख्या बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इस अध्यादेश के माध्यम से सरकार ने न्याय व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया है। जजों के चार नए पद जुड़ने से अब बड़ी संवैधानिक पीठों का गठन आसानी से हो सकेगा। इसके साथ ही, नियमित मामलों की सुनवाई की गति भी तेज हो जायेगी।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला में विधिवत पूजा शुरु

भोपाल/धार, 17 मई। मध्य प्रदेश के धार जिले की ऐतिहासिक भोजशाला में रविवार सुबह नई व्यवस्था के तहत विधि-विधान से पूजा-अर्चना शुरू की गई। पूजा की शुरुआत से पहले पूरे परिसर और गर्भगृह को गोमूत्र छिड़ककर पवित्र व शुद्ध किया गया। इसके बाद गर्भगृह को रंगोली और फूलों से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया।

इस दौरान बरसों पुरानी परंपरा को निभाते हुए भोजशाला परिसर के बाहर स्थित ज्योति मंदिर की अखंड ज्योत को गर्भगृह में लाकर स्थापित किया गया और सूर्य भगवान की पहली किरण के साथ ही पूरा परिसर मंत्रोच्चार से गूंज उठा। कई भक्तों ने नृत्य कर अपनी खुशी व्यक्त की। इससे पहले शनिवार शाम केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और मांडू के संत महामंडलेश्वर निसर्ग दास जी महाराज भोजशाला पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

भोज उत्सव समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि रविवार सुबह से ही देवी अनुष्ठान और शुद्धिकरण का दौर चल रहा है। अब भोजशाला को एक भव्य और नए स्वरूप में विकसित करने की पूरी तैयारी है। राज्य सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि भोजशाला को उसके प्राचीन और गौरवशाली वैभव के साथ दोबारा संवारा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वे स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन से मुलाकात करेंगे।

दोनों नेताओं के बीच भारत-स्वीडन मित्रता को नई दिशा देने पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान रहेगा।

प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य संदेश में कहा कि वे स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन के साथ 'यूरोपीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन' में यूरोप के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

रविवार को यूएई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आधिकारिक बयान में इस हमले के लिए सीधे तौर पर किसी भी देश या संगठन को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। इसके अलावा, वियना स्थित संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी अभी तक इस मामले पर कोई त्वरित टिप्पणी नहीं की है।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब होर्मुज़ पर ईरान का सख्त नियंत्रण बना हुआ है। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। युद्ध से पहले दुनिया का एक-चौथाई तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से होकर गुजरता था, जो अब पूरी तरह बाधित है। इसके जवाब में, अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रखी है। दूसरी ओर, संघर्ष विराम को स्थायी बनाने के लिए चल रही बातचीत में कोई प्रगति नहीं हो पा रही है।

गिरफ्तार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने प्रशिक्षण से बिल्कुल अलग लगी। इसी दौरान उसकी मुलाकात स्थानीय लोगों से हुई और उसे हेयर ट्रांसप्लांट के बारे में जानकारी मिली। आतंकी ने बताया कि लंबे समय से बाल झड़ने की समस्या से वह परेशान था और इसी कारण उसने श्रीनगर में हेयर रेस्टोरेशन प्रक्रिया करवाई।

अधिकारियों के अनुसार, उस्मान जट का मकसद जम्मू-कश्मीर में आतंकी स्लीपर सेल तैयार करना और कई हमलों को अंजाम देना था। वह उत्तर और मध्य कश्मीर में सक्रिय था और अन्य आतंकियों के संपर्क में भी था। जांच एजेंसियों ने उसके संपर्क के आधार पर कई ओवर ग्राउंड वर्कर्स नेटवर्क का भी खुलासा किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह नेटवर्क कितना बड़ा था और इसके तार किन-किन राज्यों तक जुड़े हैं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आतंकी फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाकर भारत से फरार होने की योजना बना रहा था।

'मुझे विजय से कोई जलन नहीं, मेरी शुभकामनाएँ उसके साथ हैं'

चेन्नई, 17 मई। साउथ सुपरस्टार विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। जहां पहले फैंस उन्हें थलपति के नाम से जानते थे, वहीं अब उनकी पहचान राज्य के नए सीएम के तौर पर हो रही है। जब से विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने हैं, सुपरस्टार रजनीकांत को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि रजनीकांत सीएम विजय से जलते हैं, जिस पर अब खुद सुपरस्टार रजनीकांत ने रिएक्ट किया है।

■ सुपर स्टार रजनीकांत ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर जलन की अफवाह को गलत बताया।

रजनीकांत ने 17 मई को चेन्नई स्थित अपने घर में प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी। इस दौरान उन्होंने उन अफवाहों पर रिएक्ट किया, जिनमें दावा किया जा रहा है कि रजनीकांत सीएम विजय से जलते हैं। सुपरस्टार ने कहा, अगर मैं इन अफवाहों पर कोई जवाब नहीं देता, तो लोग इन्हें ही सच मान लेंगे। चुनाव के नतीजे आने के बाद मैं एमके स्टालिन (तमिलनाडु के एक्स सीएम) से मिलने गया था, जिस पर लोगों ने काफी आलोचना की। हमारी दोस्ती राजनीति से कहीं ऊपर है। रजनीकांत कहते हैं, विजय और मेरे बीच 25 साल का फासला है। अगर हम दोनों आपस में मुकाबला करेंगे, तो ये अच्छा नहीं लगेगा।

रजनीकांत ने विजय की तारीफ़ करते हुए कहा, 52 साल की उम्र में उन्होंने एमजी रामचंद्रन और जूनियर एनटीआर से भी ज़्यादा हासिल किया है। उन्होंने केन्द्र में भाजपा और राज्य की दो पार्टियों का सामना किया और उन्हें हराया। मैं खुद हैरान था। कोई जलन नहीं है। विजय से बहुत उम्मीदें हैं और मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।

जयपुर की पॉम कोर्ट कॉलोनी में पहुँचा लेपर्ड

जयपुर, 17 मई। राजधानी के जगतपुरा क्षेत्र में एक बार फिर लेपर्ड की दस्तक से लोगों में दहशत फैल गई। पॉम कोर्ट कॉलोनी में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे लेपर्ड घूमता नजर आया। उसकी गतिविधियां कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गईं, जिनका वीडियो रविवार को सामने आया।

■ नाइट पेट्रोलिंग टीम ने लेपर्ड को सुरक्षित पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लेपर्ड काफी देर तक कॉलोनी के अंदरूनी हिस्सों में घूमता रहा। घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल है और लोग देर रात घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई।

वन विभाग के रेंजर जितेन्द्र सिंह ने बताया कि क्षेत्र में नाइट पेट्रोलिंग टीम को सक्रिय कर दिया गया है तथा लेपर्ड को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए पिंजरा भी लगाया गया है।

वन विभाग के अनुसार, गर्मी के मौसम में पानी और भोजन की तलाश में लेपर्ड कई बार रिहायशी क्षेत्रों की ओर आ जाते हैं। जगतपुरा क्षेत्र झालाना वन क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां लेपर्ड की आवाजाही की संभावना बनी रहती है। इससे पहले भी आसपास के इलाकों में लेपर्ड का मूवमेंट देखा जा चुका है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908